शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 220 | गुवाहाटी | सोमवार, 16 मार्च, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

असम में क्या हिमंत का फिर चलेगा जादू या गोगोई करेंगे कमाल... पेज 2
एनडीए तीसरी बार जीत का जनादेश पाने को तैयार : भाजपा पेज 3
2027 में सपा की साइकिल पंचर कर हमारे कार्यकर्ता उन्हें सैफई भेजने ... पेज 5
भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीम टेटे ने पूरे किए 150 अंतर्राष्ट्रीय मैच... पेज 7

असम में विस चुनाव

9 अप्रैल को मतदान मतगणना 4 मई को

गुवाहाटी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने रविवार को 2026 असम विधानसभा चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया, जिसके तहत राज्य में मतदान 9 अप्रैल को और मतगणना 4 मई को होगी। 25 लाख से अधिक पंजीकृत मतदाताओं के साथ, असम एक बड़े लोकतांत्रिक अभ्यास की तैयारी कर रहा है क्योंकि राज्य भर के मतदाता अगले पांच वर्षों के लिए 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए प्रतिनिधियों को चुनने के लिए तैयार हैं। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 24 मार्च निर्धारित की गई है। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद, राज्य में आचार संहिता (एमसीसी) तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है, जो नई नीतिगत घोषणाओं और चुनाव प्रचार के उद्देश्यों के लिए आधिकारिक तंत्र के उपयोग को प्रतिबंधित करती है। नई दिल्ली में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि आयोग ने चुनाव से पहले तैयारियों की समीक्षा करने के लिए चुनाव वाले सभी राज्यों का दौरा किया था। इन दौरों के दौरान, आयोग ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से मुलाकात की और उनके सुझाव लिए। आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारियों, एसपी, आईजी और डीआईजी से भी मुलाकात की। संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, मुख्य सचिवों और डीजीपी के साथ भी बैठकें आयोजित की गईं, कुमार ने कहा। असम में होने वाले चुनाव में तीव्र राजनीतिक प्रतिस्पर्धा देखने को मिलने की -शेष पृष्ठ दो पर

प. बंगाल में मतदान 23 व 29 अप्रैल को

कोलकाता (हि.स.)। भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल की 294 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। राज्य में इस बार दो चरणों में मतदान होगा। पहला चरण 23 अप्रैल और दूसरा चरण 29 अप्रैल को होगा, जबकि मतगणना चार मई को की जाएगी। चुनाव प्रक्रिया छह मई तक पूरी कर ली जाएगी। चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही पूरे राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है, जो चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक प्रभावी रहेगी। इसके तहत सरकार नई योजनाओं की घोषणा, प्रशासनिक तबादलों और राजनीतिक प्रचार से जुड़े कई नियमों का पालन करेगी ताकि निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित किया जा सके। निर्वाचन आयोग के अनुसार पहले चरण में 152 सीटों पर मतदान कराया जाएगा, जबकि दूसरे चरण में शेष 142 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। पश्चिम बंगाल में पिछली बार 2021 का विधानसभा चुनाव रिकॉर्ड आठ चरणों में हुआ था, जिसमें कई जगह -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव अभियान में एआई का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे पार्टी

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा रविवार को असम और चार अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों का कार्यक्रम घोषित करने के साथ ही, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव प्रचार के दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डीपफेक तकनीक के दुरुपयोग के खिलाफ चेतावनी दी। नई दिल्ली में एक प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए कुमार ने कहा कि आयोग ने भ्रामक डिजिटल सामग्री की निगरानी के लिए तंत्र स्थापित किए हैं और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा। राजनीतिक अभियानों में एआई के बढ़ते उपयोग पर एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि जहां तक गलत सूचना और डीपफेक का संबंध है, प्रत्येक राज्य में हमारे नोडल अधिकारी ऐसे मामलों की निगरानी करेंगे और आवश्यक कार्रवाई करेंगे, जिसमें सामग्री को हटाना या जहां आवश्यक हो वहां एफआईआर दर्ज करना शामिल है। यह चेतावनी असम में विशेष महत्व रखती है, जहां एआई द्वारा उत्पन्न राजनीतिक सामग्री ने पहले ही महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों से पहले विवाद खड़ा कर दिया है। हाल के हफ्तों में, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डिजिटल रूप से निर्मित राजनीतिक सामग्री में भारी वृद्धि देखी गई है, जिसमें असम भाजपा और असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी दोनों के आधिकारिक हैंडल एआई-सहायता प्राप्त वीडियो और ग्राफिक्स साझा कर रहे हैं। मामला तब और बढ़ गया जब एआई द्वारा निर्मित एक वीडियो ऑनलाइन प्रसारित हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों पर प्रतीकात्मक रूप से गोली चलाते हुए दिखाया गया था। इस वीडियो ने लोगों में आक्रोश पैदा किया और कांग्रेस ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। विरोध के बाद, भाजपा ने अपनी सोशल -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में 60 किलो विस्फोटक संग भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल (हि.स.)। सुरक्षा बल मणिपुर में तलाशी अभियान चलाते हुए अवैध हथियारों की बरामदी के साथ ही राज्य के संवेदनशील इलाकों में वाहनों की सुरक्षित आवाजाही को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा मुहैया करा रहे हैं। इसी कड़ी में चुराचांदपुर जिले से सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार बरामद किया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय ने रविवार को जारी बयान में बताया कि सुरक्षा बलों ने शनिवार को चुराचांदपुर जिला के हेंगलेप -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल संसद के दरवाजे पर चाय-पकौड़े खाते हैं और विरोध करते हैं : शाह

गुवाहाटी। असम में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी गर्माहट बढ़ गई है। आरोप-प्रत्यारोप की तेज होती सियासत के बीच राजनीतिक पार्टियों ने चुनावी रण में अपनी-अपनी तैयारी भी तेज कर दी है। इसी बीच दो दिवसीय असम दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुवाहाटी में नवनिर्मित प्राग्ज्योतिषपुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कई नई परियोजनाओं की शुरुआत भी की। इस दौरान अमित शाह ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी जमकर निशाना साधा। -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दंड से संपदा का आयोजन होता है।

- आचार्य चाणक्य

असम में चुनावों के बावजूद गुवाहाटी मैचों में कोई बदलाव नहीं : देवजीत सैकिया

मुंबई। भारतीय चुनाव आयोग द्वारा रविवार को 9 अप्रैल को असम में एक ही चरण में चुनाव की घोषणा के बाद, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने टीओआई को बताया कि असम में आईपीएल-2026 के कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं होगा और गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के तीन मैच आयोजित किए जाएंगे। बीसीसीआई द्वारा जारी आईपीएल-2026 के पहले 20 मैचों के कार्यक्रम के अनुसार, गुवाहाटी में राज्य में चुनाव अवधि के आसपास दो आईपीएल मैच होने वाले हैं। इनमें 7 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला मुंबई इंडियंस से और फिर 10 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा। गुवाहाटी में ही 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच पहला मैच भी खेला जाएगा। मैंने असम के माननीय मुख्यमंत्री (डॉ. हिमंत विश्व शर्मा) और गुवाहाटी के पुलिस आयुक्त पार्थ सारथी महंत से पहले ही बात कर ली है। दोनों ने मुझे आश्वासन दिया है कि वे (मैचों का आयोजन) सुनिश्चित करेंगे और (कार्यक्रम में) बदलाव की कोई आवश्यकता नहीं है, -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा की सरकार में एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकाला जाएगा : अमित शाह

गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो), असम प्रदेश के सौजन्य से गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित *युवा शक्ति समारोह* में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस पर जमकर हमला बोलते हुए राज्य में घुसपैठियों का संरक्षण करने का आरोप लगाया, साथ ही राज्य के सामूहिक विकास के लिए भाजपा को वोट देने का आह्वान किया। रविवार को राज्य के 1.5 लाख से अधिक युवाओं को गृह मंत्री ने संबोधित करते हुए उपरोक्त आह्वान किया। इस कार्यक्रम में भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और दरंग-उदालगुड़ी निर्वाचन क्षेत्र से सांसद दिलीप सैकिया, केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, केंद्रीय मंत्री पवित्र मार्घेरिटा और प्रदेश भाजपा के कई अन्य वरिष्ठ नेता, मंत्री, सांसद एवं विधायक भी कार्यक्रम में मौजूद थे। भाजयुमो के इस कार्यक्रम के जरिए आज राज्य के प्रत्येक जिले के युवा मतदाताओं ने भाजपा की चुनावी रणभेरी बजाई। असम के विकास और उत्थान की यात्रा में युवा शक्ति के संकल्प को दृढ़ करने के लिए यह युवा शक्ति समारोह आयोजित किया गया था। कार्यक्रम को संबोधित -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

मंदिर से लौट रहे सात भारतीय तीर्थयात्रियों की मौत

काठमांडु। नेपाल के मध्य क्षेत्र में स्थित गंडकी प्रांत से एक अत्यंत हृदयविदारक खबर सामने आई है। शनिवार को भारतीय तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक यात्री बस अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गिर गई, जिससे सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, -शेष पृष्ठ दो पर

उरी में पाकिस्तान का आतंकवादी मारा गया

श्रीनगर (हि.स.)। सेना ने जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए पाकिस्तान के एक पाकिस्तानी आतंकवादी मार गिराया। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया कि घुसपैठ के प्रयास के संबंध में जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा प्रदान किए गए एक विशिष्ट खुफिया इनपुट के आधार पर, 14-15 मार्च 26 की मध्यरात्रि को जनरल क्षेत्र -शेष पृष्ठ दो पर

न्यायिक व्यवस्था को अस्पतालों की तरह सेवा भाव से करना होगा काम : सीजेआई

शिमला (हि.स.)। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा है कि न्यायिक परिसरों को अस्पतालों की तरह काम करने की आवश्यकता है, क्योंकि जिस तरह लोग उम्मीद लेकर अस्पताल जाते हैं, उसी तरह लोग अदालतों में भी राहत की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्याय व्यवस्था को भी उसी सेवाभाव के साथ काम करना चाहिए, जिससे लोगों को समय पर न्याय मिल सके। मुख्य न्यायाधीश रविवार को हिमाचल प्रदेश के मंडी में आयोजित विधिक साक्षरता शिविर में बोल रहे थे। -शेष पृष्ठ दो पर

तेलंगाना में हाई-प्रोफाइल ड्रग्स पार्टी का खुलासा टीडीपी सांसद सहित 10 लोगों को पुलिस ने पकड़ा

हैदराबाद। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के मोइनाबाद क्षेत्र में स्थित एक फार्महाउस में कथित तौर पर आयोजित ड्रग्स पार्टी का मामला अब राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में बड़ा विवाद बन गया है। इस पार्टी में उद्योगपतियों, रियल एस्टेट कारोबारियों और राजनीतिक नेताओं की मौजूदगी सामने आने के बाद मामला और भी सनसनीखेज हो गया है। पुलिस जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं, जबकि विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि कुछ प्रभावशाली लोगों को बचाने के लिए राजनीतिक दबाव बनाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि मोइनाबाद के अजीजनगर स्थित एक फार्महाउस में ड्रग्स के साथ पार्टी चल रही है। सूचना मिलते ही ड्रग लॉ एनफोर्समेंट के लिए एलीट एक्शन ग्रुप (ईगल) -शेष पृष्ठ दो पर

संघ ने विश्व शांति पर केंद्र सरकार की नीति का समर्थन किया

समालखा (हि.स.)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच केंद्र सरकार की नीति का समर्थन करते हुए दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को कहा कि संघ विश्व में शांति का पक्षधर है। उन्होंने कहा कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर संघ कोई विशेष टिप्पणी नहीं करना चाहता। संगठन की स्पष्ट धारणा है कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है। संघ चाहता है कि विश्व में चल रहे संघर्ष जल्द समाप्त हों और शांति की स्थापना हो। उन्होंने कहा कि भारत सरकार भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति स्थापित करने के लिए अपने स्तर पर प्रयास कर रही है और -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान ने युद्ध रोकने को फिर शर्तें दोहराई, अमेरिका ने शर्तों से पीछे हटने को कहा

तेहरान/वाशिंगटन/टोक्यो/सियोल (हि.स.)। ईरान ने युद्ध रोकने के लिए फिर कुछ शर्तें दोहराई हैं। अमेरिका ने कहा है कि ईरान समझौता तो करने को तैयार है, लेकिन उसे अपनी शर्तों से पीछे हटना होगा। इस बीच जापान और दक्षिण कोरिया ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेल निकासी पर सहयोग की अपील पर कहा कि वह विचार कर रहे हैं। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार अरबी अखबार *अल-अरबी अल-जदीद* ने इस संबंध में ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची से बातचीत की है। उनका कहना है कि गारंटी और मुआवजे के बिना युद्ध खत्म नहीं होगा। अराघची ने कहा कि युद्ध का अंत इस बात पर निर्भर करेगा कि यह गारंटी मिले कि हमले दोबारा नहीं होंगे और संघर्ष के दौरान हुए नुकसान के लिए मुआवजा दिया जाएगा। अराघची ने कहा कि तेहरान इस क्षेत्र में लक्ष्यों पर हुए हमलों की जांच के लिए क्षेत्रीय देशों के साथ एक संयुक्त जांच समिति बनाने को तैयार है। उन्होंने कहा कि ईरान के -शेष पृष्ठ दो पर

बेंगलुरु रिसॉर्ट में ओडिशा के कांग्रेस विधायकों को खरीदने की कोशिश, दो संदिग्ध पकड़े गए

बेंगलुरु (हि.स.)। राज्यसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में कथित *ऑपरेशन कमल* की आशंका के बीच ओडिशा के कांग्रेस विधायकों को खरीदने की कोशिश का मामला कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के पास सामने आया है। इस मामले में दो लोगों को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ओडिशा के कांग्रेस विधायक 12 मार्च से बेंगलुरु के पास बिदादी स्थित वंडरला रिजॉर्ट में ठहरे हुए थे। इसी दौरान शनिवार की रात चार लोग रिसॉर्ट में कमरा बुक कर वहां ठहरे थे। रविवार सुबह उनमें से एक व्यक्ति ने एक ओडिशा कांग्रेस विधायक से बातचीत की और उनके साथ फोटो लेने की कोशिश की। इसे देखकर वहां मौजूद स्थानीय कांग्रेस नेताओं को संदेह हुआ। संदेह होने पर जब -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

असम में क्या हिमंत का फिर चलेगा जादू या गोगोई करेंगे कमाल...

गुवाहाटी। पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों का शंखनाद हो चुका है। असम में एक ही चरण में मतदान होगा। यहां 9 अप्रैल को वोटिंग होगी। नतीजे 4 मई को आएंगे। असम में हिमंत विश्व शर्मा का फिर जादू चलेगा या गौरव गोगोई कमाल करेंगे। यह उसी दिन यानी 4 मई को ही पता चलेगा। असम में कुल वोटरों की संख्या 2.50 करोड़ है। इसमें 1.25 करोड़ पुरुष मतदाता तो 1.25 करोड़ महिला वोटर्स हैं। बता दें कि असम की सभी 126 सीटों पर एक चरण में 9 अप्रैल को वोटिंग होगी। 16 मार्च को नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 23 मार्च होगी। 24 मार्च को स्क्रूटनी होगी। नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 26 मार्च है। वोटिंग 9 अप्रैल को होगी। नतीजे 4 मई को आएंगे। कहा जा रहा है कि असम में इस बार का चुनाव काफी दिलचस्प होने वाला है। हिमंत भाजपा के सबसे बड़े चेहरों में शुमार हैं जबकि गौरव गोगोई अपने पिता की विरासत को बचाने और कांग्रेस को सत्ता में वापस लाने के लिए सीधी चुनौती दे रहे हैं। 2024 में हुए लोकसभा चुनाव के बाद गौरव गोगोई की लोकप्रियता बड़ी है खास महिला मतदाताओं के बीच। जोरहाट से उनकी बड़ी जीत ने उन्हें राज्य में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता के रूप में स्थापित किया है। गौरव असम कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। युवाओं और अल्पसंख्यक समुदायों के बीच उनकी लोकप्रियता हिमंता से अधिक है। यह चुनाव तय करेगा कि हिमंत का *विकास और हिंदुत्व* का मॉडल भारी पड़ेगा या गौरव गोगोई की *सामाजिक न्याय और विरासत* की राजनीति असम में कुछ नया करेगी। कांग्रेस ने इस बार केवल अपने दम पर नहीं, बल्कि क्षेत्रीय और वामपंथी दलों के साथ मिलकर एक *रेनबो कोएलिशन* बनाने की घोषणा की है। कांग्रेस ने गौरव को जोरहाट विधानसभा सीट से टिकट दिया है। वह वहीं से चुनाव लड़ने वाले हैं। असम में पिछले 10 साल से भाजपा की सरकार है। वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 20 मई 2026 तक है। पिछली बार यानी 2021 के विधानसभा चुनाव में असम में तीन चरणों में चुनाव हुए थे। एनडीए (भाजपा-एजीपी-पीपीएल) को 75 सीटें मिली थीं जबकि कांग्रेस गठबंधन 50 सीटों पर जीत हासिल की थी।

मेघालय की एथलीट रेटिना हंसे की री-भोई में सड़क दुर्घटना में मौत

शिलांग। मेघालय के री-भोई जिले में एक सड़क दुर्घटना में युवा खिलाड़ी रेटिना हंसे की असमय मृत्यु से खेल जगत सदमे में है। जिले के सुमेर में स्कूटर और ट्रक की टक्कर में 23 वर्षीय एथलीट की मौत हो गई। खबरों के मुताबिक, हैंस अपने भाई सेलेस्टियल हैंस द्वारा चलाई जा रही स्कूटर पर पीछे बैठकर यात्रा कर रही थी, जब कथित तौर पर वाहन एक ट्रक से टकरा गया। टक्कर के कारण वह स्कूटर से गिर गई और पत्थर से टकराने के बाद उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। बाद में चोटों के कारण उसकी मृत्यु हो गई, जबकि उसके भाई को मामूली चोटें आईं। री-भोई जिले के खमर गांव के निवासी हंसे ने राज्य की उभरती हुई एथलेटिक्स प्रतिभाओं में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई थी। 2017 में वह मेघालय की पहली महिला एथलीट बनीं जिन्होंने ईस्ट जोन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदक जीता, उन्होंने कोलकाता में आयोजित अंडर-16 800 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक हासिल किया। क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं में उनका शानदार प्रदर्शन जारी रहा। शिलांग में आयोजित नॉर्थ ईस्ट गेम्स 2022 में उन्होंने एक स्वर्ण पदक के साथ दो कांस्य पदक भी जीते। उन्होंने नागालैंड में आयोजित नॉर्थ ईस्ट गेम्स 2024 में अपनी उपलब्धियों को और बढ़ाया, जहां उन्होंने एक रजत और एक कांस्य पदक हासिल किया। दुर्घटना के समय, हंसे शिलांग में भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे थे और भारत के राष्ट्रीय खेलों सहित आगामी प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रहे थे। उनके अचानक निधन से मेघालय भर के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल अधिकारियों में शोक की लहर दौड़ गई है, जिन्होंने उन्हें अपार क्षमता वाली एक समर्पित खिलाड़ी के रूप में याद किया।

नवसंवत्सर धर्मयात्रा को लेकर बीकानेर में तैयारियां तेज

बीकानेर (हिंस)। बीकानेर में आगामी 19 मार्च को आयोजित होने वाली नवसंवत्सर धर्मयात्रा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। भारतीय नव वर्ष समारोह समिति के पदाधिकारी शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बैठकें और जनसंपर्क कर समाज के विभिन्न वर्गों को इस आयोजन से जोड़ने में जुटे हैं। मीडिया सह संयोजक दीपक हर्ष के अनुसार समिति कार्यालय में हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रांतीय सह-संयोजक शैलेश गुप्ता, महानगर संयोजक कैलाश भार्गव और कार्यक्रम संयोजक उमेश व्यास मौजूद रहे। बैठक में जेठानंद व्यास ने कहा कि वे इसमें विधायक के रूप में नहीं बल्कि संगठन के पूर्व पदाधिकारी के रूप में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा लगाया गया धर्म का पौधा अब विशाल वृक्ष बन चुका है और इसे और सशक्त बनाना सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है।

हरियाणा में 2157 पंचायतें टीबी-मुक्त घोषित

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि हरियाणा ने टीबी उन्मूलन की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है। वर्ष 2025 में राज्य की 2,157 ग्राम पंचायतों को टीबी-मुक्त घोषित किया गया है, जो राज्य की कुल 6,237 पंचायतों का लगभग 35 प्रतिशत है। रविवार को चंडीगढ़ में जारी जानकारी में सुमिता मिश्रा ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में टीबी-मुक्त पंचायतों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो इस कार्यक्रम के जमीनी स्तर पर मजबूत क्रियान्वयन को दर्शाती है। वर्ष 2023 में राज्य की 574 पंचायतों को टीबी मुक्त होने का प्रमाण पत्र मिला था और सभी पंचायतें ब्रांज श्रेणी में थीं, जो कुल पंचायतों का लगभग 9 प्रतिशत था।

वाराणसी में घर-घर पहुंचेगी पाइपलाइन गैस, जोनल कार्यालयों पर विशेष कैम्प

वाराणसी (हिंस)। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी के शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को रसोई गैस की सुविधा अधिक सुगम और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत घरेलू पाइप लाइन गैस (पीएनजी) योजना को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। जिससे अब लोगों को घरेलू गैस सुगमता के साथ उनके रसोई में उपलब्ध होगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश सरकार के मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल के निर्देश पर रविवार से शहर के सभी आठ जोनल कार्यालयों में विशेष कैम्प लगाए जा रहे हैं। जहां लोगों को घरेलू गैस पाइपलाइन कनेक्शन के लिए आवेदन करने और तुरंत प्रक्रिया पूरी करने की सुविधा दी जा रही हैं। अभियान के पहले दिन राज्यमंत्री रविन्द्र जायसवाल ने नदेसर स्थित नगर निगम के जोनल कार्यालय में लगाए गए विशेष कैम्प का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली और लोगों को जल्द से जल्द कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार की मंशा है कि शहर के हर घर तक सुरक्षित और सस्ती गैस सुविधा पहुंचे, इसलिए इस कार्य को युद्धस्तर पर पूरा किया जाए। गैस आपूर्ति के लिए लगभग 102 किलोमीटर स्टील की हाई प्रेशर पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है, जो मुख्य गैस वितरण प्रणाली का आधार बनेगी। इसके अलावा शहर और आसपास के इलाकों में घरों तक गैस पहुंचाने के लिए लगभग 1450 किलोमीटर प्लास्टिक की लो प्रेशर पाइपलाइन का जाल बिछाया जा चुका है। राज्यमंत्री ने बताया कि नगर निगम के सभी जोनल कार्यालयों में लगाए गए इन विशेष कैम्पों में लोगों को घरेलू पाइपलाइन गैस कनेक्शन के लिए आवेदन करने की सुविधा दी जा रही है। यहां उपस्थित अधिकारी और कर्मचारी लोगों को योजना की पूरी जानकारी भी दे रहे हैं। कैम्प में आने वाले नागरिकों को बताया जा रहा है कि किस प्रकार आवेदन करना है, किन दस्तावेजों की आवश्यकता है और कनेक्शन मिलने की प्रक्रिया क्या होगी। इससे लोगों में भी इस सुविधा को लेकर काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

पृष्ठ एक का शेष

9 अप्रैल को ...

उम्मीद है, जिसमें प्रमुख पार्टियां सभी 126 विधानसभा क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए कमर कस रही हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, राज्य में कुल 31,486 मतदान केंद्र हैं, जिनमें से 3,775 शहरी क्षेत्रों में और 27,711 ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। कुमार ने कहा कि अधिकांश मतदान केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित होंगे, जहां प्रति मतदान केंद्र औसतन 750 से 850 मतदाता होंगे। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मॉडल मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे, साथ ही महिलाओं द्वारा संचालित मतदान केंद्र और विकलांग व्यक्तियों द्वारा संचालित मतदान केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे। असम में केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के साथ ही मतदान होगा। वहीं, तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि पश्चिम बंगाल में दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। इन सभी राज्यों के वोटों की गिनती 4 मई को होगी। जिन पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव हो रहे हैं, उनमें लगभग 17.4 करोड़ मतदाता, 824 विधानसभा क्षेत्र, 2,18,807 मतदान केंद्र और लगभग 25 लाख चुनाव अधिकारी चुनावी प्रक्रिया में शामिल हैं। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो जाने के बाद, असम में आने वाले हफ्तों में राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की उम्मीद है क्योंकि पार्टियां उम्मीदवारों को अंतिम रूप दे रही हैं और 9 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले अपना प्रचार अभियान शुरू कर रही हैं।

प. बंगाल में मतदान ...

हिंसा की घटनाएं सामने आई थीं। इससे पहले 2016 और 2011 में छह चरणों में मतदान हुआ था, जबकि 2006 में पांच चरणों में चुनाव कराए गए थे। 2001 के बाद से राज्य में एक ही दिन मतदान नहीं हुआ है। इन सभी चुनावों में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई थी और इस बार भी सुरक्षा को लेकर व्यापक तैयारी की जा रही है। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा ऐसे समय हुई है जब राज्य में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में तृणमूल कांग्रेस पर आरोप लगाया था कि वह वोटर सूची संशोधन प्रक्रिया का विरोध कर घुसपैठियों को लाभ पहुंचाना चाहती है। दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर धार्मिक ध्रुवीकरण का आरोप लगाया है। इससे स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि चुनावी मुकाबला काफी तीखा होने वाला है। प्रधानमंत्री की कोलकाता रैली से कुछ समय पहले ही सभा स्थल से करीब 5 किलोमीटर दूर भाजपा और तृणमूल समर्थकों के बीच झड़प की घटना भी सामने आई थी, जिसमें पथराव और नारेबाजी हुई। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस 2011 से सत्ता में है। ममता बनर्जी के नेतृत्व में पार्टी ने 34 साल पुराने वाम मोर्चा शासन को समाप्त किया था। 2011 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को 184 सीटें, कांग्रेस को 42 सीटें, वाम दल को 40 सीटें मिली थीं। इसके बाद भाजपा ने राज्य में धीरे-धीरे अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत की। इसके बाद 2016 के चुनाव में भाजपा को 3 सीट तथा 2021 में भाजपा को 77 सीटें मिली थीं। वहीं, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने 213 सीटें जीती थीं, जो बाद में उपचुनाव जीतकर 215 हो गईं। 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा ने पश्चिम बंगाल की 42 में से 18 सीटें जीती थीं। हालांकि, 2024 में यह संख्या घटकर 12 रह गई।

चुनाव अभियान में एआई ...

मीडिया टीम के एक सदस्य को हटा दिया। यह विवाद अदालतों तक भी पहुंचा, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार की गई राजनीतिक सामग्री के प्रसार को चुनौती देते हुए याचिकाएं दायर की गईं। असम भाजपा के प्रवक्ता रूपम गोस्वामी ने स्वीकार किया कि डिजिटल प्लेटफॉर्मों के उदय के साथ राजनीतिक संचार में तेजी से बदलाव आ रहा है। पहले से ही बदलाव आ चुका है। आजकल लोग प्रिंट मीडिया को बहुत कम पढ़ते हैं, टेलीविजन भी पहले से कम देखा जाता है। मेरा बेटा टेलीविजन नहीं देखता, लेकिन उसे हर खबर की जानकारी रहती है, उन्होंने कहा। गोस्वामी के अनुसार, एआई महज एक उपकरण है जिसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि इसका उपयोग कैसे किया जाता है। उन्होंने कहा कि यदि आप एआई या किसी अन्य विधि का उपयोग करके गलत या भ्रामक सामग्री बनाते हैं, तो यह गुमराह करेगी। यह व्यक्ति या संस्था के इरादे पर निर्भर करता है। एआई स्वयं एक उपकरण मात्र है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि वास्तविक और एआई-जनित वीडियो के बीच अंतर करना इनक्रिसिंगली मुश्किल होता जा रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता बांदीप दत्ता ने चेतावनी दी कि अगर एआई-आधारित सामग्री को नियंत्रित नहीं किया गया तो यह आसानी से मतदाताओं को गुमराह कर सकती है। उन्होंने कहा कि असम में एआई द्वारा निर्मित सामग्री लोगों को गुमराह कर सकती है क्योंकि ऐसे उपकरणों के उपयोग का उद्देश्य ही मायने रखता है।

मणिपुर में 60 किलो ...

थानांतर्गत ओल्ड नबिल, थांगजिंग टॉप के पूर्व इलाके में अभियान चलाते हुए एक देसी रॉकेट, लगभग 7 फुट लंबा और जिसमें लगभग 60 किलोग्राम विस्फोटक था, एक देसी सिंगल बैरल बंदूक, सात 7.62 एमएम के खाली कारतूस, चार मैगजीन, एक मोर्टार बम और एक देसी मोर्टार/पंपी बरामद किया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि सुरक्षा बल जिलों के सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र पर नियंत्रण बनाए रखने का काम लगातार कर रहे हैं। मणिपुर के अलग-अलग जिलों में, पहाड़ों और घाटियों, दोनों जगहों पर शनिवार को कुल 115 नाके एवं चेक पॉइंट लगाए गए थे, लेकिन किसी को भी हिरासत में नहीं लिया गया। इसी तरह सुरक्षा बलों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर जरूरी सामान ले जा रहे 271 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। सभी संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और वाहनों की सुरक्षित और बेरोकटोक आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील रास्तों पर सुरक्षा काफिला मुहैया कराया गया है।

राहुल संसद के दरवाजे ...

उन्होंने कहा कि संसद देश के लोकतंत्र की सबसे बड़ी संस्था है और वहां इस तरह का व्यवहार उचित नहीं है। अमित शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी कभी-कभी संसद के दरवाजे पर बैठकर चाय और पकौड़े खाते हैं और विरोध प्रदर्शन करते हैं। उनके अनुसार संसद परिसर ऐसा स्थान नहीं है जहां इस तरह का प्रदर्शन किया जाए। शाह ने कहा कि इससे देश की छवि दुनिया में खराब होती है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को सरकार का विरोध करने और प्रदर्शन करने का पूरा अधिकार है, लेकिन संसद के अंदर चर्चा करने के बजाय इस तरह का तरीका अपनाना सही नहीं है। शाह ने यह भी कहा कि संसद में बहस से बचना और बाहर इस तरह की गतिविधियां करना लोकतांत्रिक परंपरा के खिलाफ है। गृह मंत्री ने कहा कि जब दुनिया भर के लोग भारत की ताकत और युवाओं की क्षमता देखने आते हैं, तब इस तरह के कदम देश की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता ऐसे व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगी। उद्घाटन के दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने पिछली कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय तक सत्ता में रही कांग्रेस ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के बजाय अपने नेताओं के परिवारों की आर्थिक सेहत सुधारने पर ज्यादा ध्यान दिया। उनके अनुसार उस समय असम का स्वास्थ्य तंत्र काफी खराब हालत में था और लोगों को बेहतर इलाज के लिए कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। दूसरी ओर अमित शाह ने असम में भाजपा के लिए बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि भाजपा फिर से असम में सबसे बड़ी जनादेश के साथ सरकार बनाएगी। अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने असम के युवाओं के लिए कुछ नहीं किया, लेकिन उसके नेता और उनके परिवार फायदे में रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में असम हिंसा के लिए जाना जाता था और कई युवा मारे गए।

असम में चुनावों के ...

सैकिया ने इस अखबार को बताया। रविवार को चुनाव आयोग ने पांचों राज्यों के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की। असम, केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को मतदान होगा, तमिलनाडु में 23 अप्रैल को, जबकि पश्चिम बंगाल में दो चरणों में चुनाव होंगे - 23 और 29 अप्रैल को। साइकिया ने कहा कि समय आने पर हम शेष आईपीएल मैचों का कार्यक्रम घोषित करेंगे। संबंधित संघों (तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन और बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन) के साथ कुछ प्रारंभिक चर्चा के बाद, हम आईपीएल के शेष चरण की घोषणा करेंगे। हालांकि, हम आपको कोई निश्चित समयसीमा नहीं दे सकते। इसलिए, आईपीएल सुचारू रूप से चलता रहेगा।

भाजपा की सरकार ...

करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि असम की युवा शक्ति के इस महासमागम ने राज्य में भाजपा के जनसमर्थन की मजबूत तस्वीर पेश की है। उन्होंने उल्लेख किया कि कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने उन्हें फोन करके युवाओं के सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत की कोई भी राजनीतिक पार्टी इस तरह का विशाल युवा सम्मेलन आयोजित नहीं कर सकी है। उन्होंने असम के युवाओं के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की। अमित शाह ने कहा कि हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम में विकास की प्रक्रिया जारी है। शाह ने दावा किया कि असम सरकार ने किसी भी प्रकार का भेदभाव किए बिना लगभग 1 लाख 65 हजार नौकरियां प्रदान की हैं, जो राज्य के इतिहास में एक उल्लेखनीय कदम है। समारोह में बोलते हुए उन्होंने कांग्रेस दल की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दिनों में चाय बागान के श्रमिकों की मजदूरी 94 रुपए थी। भाजपा के दिनों में हिमंत विश्व शर्मा सरकार ने इसे 280 रुपए तक बढ़ा दिया। कांग्रेस अपने लोगों के बारे में सोचती है, भाजपा असम के बारे में सोचती है। गृह मंत्री के अनुसार कांग्रेस के शासनकाल में असम की भाषा और संस्कृति (जाति, माटी, भेटी) का सम्मान नहीं किया जाता था। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में ऐतिहासिक वीर लचित बरफूकन का गौरव विश्व के सामने उज्ज्वल रूप से प्रस्तुत किया गया है। अमित शाह ने कहा कि भाजपा सरकार के समय लगभग 10,800 हथियारबंद लोगों ने आत्मसमर्पण किया है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य में शांति और अनुशासन मजबूत हुआ है। उन्होंने दावा किया कि घुसपैठियों के कब्जे वाली बड़ी मात्रा में भूमि को मुक्त कराया गया है और आने वाले समय में यह अभियान जारी रहेगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने राज्य में अवैध घुसपैठ को लेकर कांग्रेस पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि भाजपा की अगली सरकार में एक-एक घुसपैठिए को चुन-चुनकर बाहर निकाला जाएगा। साथ ही उन्होंने कांग्रेस को घुसपैठियों की सरंक्षक करार दिया। उन्होंने कहा कि संसद में राहुल गांधी कुछ नहीं कह सकते, भागते फिरते हैं और जहां भारत की ताकत देखने के लिए दुनिया से लोग आते हैं, वहां राहुल गांधी विरोध करते हैं। भारत के एआई शिखर सम्मेलन की पूरी दुनिया में प्रशंसा की गई, उस सम्मेलन का कांग्रेस ने विरोध किया। मोदी और भाजपा का विरोध करते-करते राहुल गांधी भारत का विरोध करने लगे हैं। राहुल गांधी के इस कार्य की निंदा अमित शाह ने की। उन्होंने कहा कि भाजपा का विरोध करते-करते राहुल गांधी देश की निंदा करने लगे हैं। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने असम की जनता से एक बार फिर भाजपा सरकार बनाने का आह्वान किया और कहा कि यह सरकार विकास और पारदर्शिता के वादे पर अटल रहेगी।

न्यायिक व्यवस्था को ...

उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे न्यायिक ढांचे में सुविधाएं बढ़ती हैं, वैसे-वैसे न्याय व्यवस्था की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि मंडी को छोटी काशी के नाम से जाना जाता है और यहां लोग श्रद्धा के साथ आते हैं। ऐसे में यहां न्याय के मंदिर के रूप में एक आधुनिक न्यायिक परिसर का निर्माण होना क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि लोगों को अपने मौलिक अधिकारों के साथ-साथ मौलिक कर्तव्यों के बारे में भी जागरूक होना चाहिए, क्योंकि संविधान में दोनों को समान महत्व दिया गया है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने अपनी प्राकृतिक सुंदरता को अच्छी तरह संभालकर रखा है और यहां के लोगों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि छोटे स्तर पर भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए, जिससे लोगों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जानकारी मिल सके। इससे पहले मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने मंडी में लगभग 152 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले नए ज्यूडिशियल कोर्ट कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी मौजूद रहे। यह अत्याधुनिक न्यायिक परिसर करीब 9.6 हेक्टेयर भूमि पर बनाया जाएगा। इसमें चार अलग-अलग ब्लॉक होंगे और जजों, वकीलों तथा आम लोगों के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि हर नागरिक तक न्याय और अधिकारों की पहुंच सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि सरकार संविधान की भावना के अनुरूप समावेशी विकास और सामाजिक न्याय के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने करीब छह हजार अनाथ बच्चों को *चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट* के रूप में अपनाया है और इसके लिए विशेष कानून बनाया गया है। इसके अलावा बेटियों की शादी की आयु बढ़ाकर 21 वर्ष की गई है, ताकि उन्हें समान अवसर मिल सकें। बेटियों को पैतृक संपत्ति में भी बराबर अधिकार देने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि विधवा महिलाओं के बच्चों की पढ़ाई सुनिश्चित करने के लिए *इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना* शुरू की गई है, जिसके तहत राज्य सरकार उनकी शिक्षा का खर्च उठा रही है। इसके साथ ही राजस्व लोक अदालतों के माध्यम से करीब साढ़े पांच लाख पुराने मामलों का निपटारा किया गया है। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह सन्धावालिया ने कहा कि इस तरह के जागरूकता शिविरों का उद्देश्य हर व्यक्ति तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि न्याय केवल अदालतों तक सीमित नहीं होना चाहिए, लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना भी उतना ही जरूरी है।

तेलंगाना में हाई-प्रोफाइल...

की पांच सदस्यीय टीम ने शनिवार रात करीब 9:30 बजे फार्महाउस पर छापा मारा। हालांकि, छापेमारी के दौरान पुलिस को फार्महाउस के अंदर प्रवेश करने में शुरुआती विरोध का सामना करना पड़ा। बताया गया कि गेट पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और फार्महाउस के मालिक तथा पूर्व विधायक पायलट रोहित रेड्डी ने पुलिस टीम को तुरंत अंदर जाने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद स्थिति को देखते हुए पुलिस ने स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी) को मौके पर बुलाया, जिसकी मदद से टीम ने फार्महाउस के अंदर प्रवेश किया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने फार्महाउस से करीब दो ग्राम कोकीन बरामद की। जांच में यह भी सामने आया कि पार्टी में कुल 11 लोग मौजूद थे, जिनमें से छह लोगों का ड्रग्स टेस्ट पॉजिटिव पाया गया। ईगल टीम के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गिरिधर ने रविवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि जिन छह लोगों का ड्रग्स टेस्ट पॉजिटिव आया है, उनमें पूर्व विधायक पायलट रोहित रेड्डी, एलुरु के टीडीपी सांसद पुट्टा महेश कुमार यादव, रितेश रेड्डी, नमित, कौशिक रवि और अर्जुन रेड्डी शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, सांसद पुट्टा महेश कुमार यादव का शनिवार रात को किया गया रैपिड ड्रग टेस्ट नेगेटिव आया था, लेकिन बाद में किए गए ब्लड टेस्ट में उनका परिणाम पॉजिटिव पाया गया।

संघ ने विश्व शांति पर ...

भारत के हित में निर्णय ले रही है। हरियाणा के समालखा में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का समापन रविवार को होने जा रहा है। इस अवसर पर संघ ने अपनी संगठनात्मक संरचना में महत्वपूर्ण परिवर्तन की घोषणा की है। जमीनी स्तर पर कार्य के विस्तार और संगठन को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अब *प्रांत* इकाइयों के स्थान पर *संभाग* इकाइयों का गठन किया जाएगा। वर्तमान में देशभर में 46 प्रांत हैं, जिन्हें पुनर्गठित कर लगभग 80 संभाग बनाए जाएंगे। प्रतिनिधि सभा के इतर आयोजित पत्रकार वार्ता में संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बताया कि संगठनात्मक ढांचे में यह बदलाव कार्य के विकेंद्रीकरण और विस्तार को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार अभी प्रांत स्तर पर प्रचारकों की नियुक्ति होती है, उसी प्रकार अब प्रत्येक संभाग में भी संभाग प्रचारक नियुक्त किए जाएंगे। नई व्यवस्था के अनुसार संघ की संरचना में जिला और विभाग के बाद संभाग इकाई होगी, जबकि उसके ऊपर क्षेत्र तथा अखिल भारतीय स्तर की व्यवस्था पूर्ववत बनी रहेगी। उनका कहना था कि इस परिवर्तन से संगठन की गतिविधियों को स्थानीय स्तर तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में सहायता मिलेगी। पत्रकार वार्ता के दौरान संघ के प्रचार अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर भी उनके साथ मौजूद रहे। विश्व में जारी संघर्षों के विषय में केंद्र सरकार की नीति का समर्थन करते हुए दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि संघ विश्व में शांति का पक्षधर है। उन्होंने कहा कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर संघ कोई विशेष टिप्पणी नहीं करना चाहता। संगठन की स्पष्ट धारणा है कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है। संघ चाहता है कि विश्व में चल रहे संघर्ष जल्द समाप्त हों और शांति की स्थापना हो। उन्होंने कहा कि भारत सरकार भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति स्थापित करने के लिए अपने स्तर पर प्रयास कर रही है। ईरान के सर्वोच्च नेता के निधन के बाद देश के विभिन्न हिस्सों में हो रही रैलियों और प्रदर्शनों के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर होसबाले ने कहा कि लोग अपनी आस्था और भावनाओं के अनुसार इस प्रकार के आयोजन करते हैं।

ईरान ने युद्ध रोकने ...

अभियान का मकसद सिर्फ इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकाने और हित थे। तेहरान ने पड़ोसी देशों में किसी भी नागरिक या रिहायशी इलाके को निशाना नहीं बनाया है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अरब देशों में नागरिक लक्ष्यों पर हुए हमलों के पीछे इजराइल का हाथ हो सकता है, ताकि उन देशों और ईरान के बीच संबंधों को नुकसान पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान के *शाहिद* सिस्टम जैसा ही एक ड्रोन बनाया है, जिसका नाम *लुकास* है। इस ड्रोन का इस्तेमाल अरब देशों में लक्ष्यों पर हमला करने के लिए किया गया है। अराघची ने चेतावनी दी कि अगर ईरान की ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बनाया गया, तो तेहरान इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी कंपनियों की सुविधाओं पर हमला करके इसका जवाब देगा। अमेरिका के एनबीसी न्यूज ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का लगभग तीस मिनट का टेलीफोनिक इंटरव्यू प्रसारित किया है। इसमें ट्रंप ने दो टूक कहा कि ईरान की इच्छा होने के बावजूद, वह उसके साथ युद्ध खत्म करने के लिए कोई समझौता करने को तैयार नहीं हैं। ट्रंप ने कहा कि शर्तें मानने लायक नहीं हैं। इन शर्तों से ईरान को पीछे हटना होगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि दुनिया भर में तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच वह होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करने की योजना पर दूसरे देशों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्हें हैरानी है कि ईरान ने अमेरिका-इजराइल के संयुक्त अभियान के जवाब में मध्य-पूर्व के दूसरे देशों पर हमला करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि शनिवार को अमेरिकी हमलों ने खारग द्वीप के अधिकांश हिस्से को तबाह कर दिया। दक्षिण कोरिया ने कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस अपील पर सावधानी से विचार करेगा, जिसमें उन्होंने सहयोगी देशों से होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा में मदद के लिए युद्धपोत भेजने को कहा है।

बेंगलुरु रिसॉर्ट में ...

उनसे पूछताछ की गई, तो दो लोग मौके से भाग निकले, जबकि दो लोगों को पकड़ लिया गया। पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान बिरेंद्र प्रसाद और अजीत कुमार साहू के रूप में हुई है। दोनों को बिदादी पुलिस ने हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए ओडिशा से कांग्रेस सांसद सप्तगिरि शंकर उलका ने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोगों ने कांग्रेस विधायकों को खरीदने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया कि विधायकों को पांच करोड़ रुपए की पेशकश की गई और खाली चेक देकर भाजपा के पक्ष में वोट देने का दबाव बनाया गया, लेकिन कांग्रेस विधायक किसी भी लालच में नहीं आए। वहीं कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि भाजपा से जुड़े लोगों ने रिसॉर्ट में कमरा लेकर विधायकों को पांच करोड़ रुपए का लालच देने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि खाली चेक के साथ दो लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया गया है और कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद सुरक्षा कारणों से रिसॉर्ट में ठहरे कांग्रेस के विधायकों को पुलिस सुरक्षा में बस के जरिए बेंगलुरु के सदाशिवनगर स्थित मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर स्थानांतरित किया गया। इस दौरान आठ विधायकों को पुलिस एस्कॉर्ट के साथ वहां पहुंचाया गया। इस बीच जिला पुलिस अधीक्षक श्रीनिवास गौड़ा ने भी रिजॉर्ट का दौरा कर हिरासत में लिए गए दोनों व्यक्तियों से पूछताछ की है।

मंदिर से लौट रहे ...

यह हादसा उस समय हुआ जब तीर्थयात्री गोरखा जिले के प्रसिद्ध मनकामना मंदिर में दर्शन करने के बाद वापस लौट रहे थे। बस जैसे ही गोरखा जिले के पहाड़ी रास्ते पर पहुंची, वह अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। गोरखा जिले के जिला यातायात पुलिस कार्यालय के प्रमुख सूरज आर्यल ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और पांच पुरुष शामिल हैं और ये सभी भारतीय नागरिक हैं। जिला पुलिस कार्यालय प्रमुख भरत बहादुर बीके के अनुसार, पीड़ितों की पहचान मुथु कुमार (58), अनामलिक (58), मीनाक्षी (59), शिवगामी (53), विजयल (57), मीना (58) और तमिलारसी (60) के रूप में की गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, सात अन्य घायल यात्रियों को बचा लिया गया है और उनका आंबुखैरेनी के एक अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

उरी में पाकिस्तान...

बुचर, उरी सेक्टर में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। इसमें कहा गया है कि सैनिकों ने झाड़ियों में एक आतंकवादी की संदिग्ध गतिविधि देखी। सेना ने कहा कि घात को फिर से समायोजित किया गया और आतंकवादी को चुनौती दी गई जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इसमें एक पाक आतंकवादी को मार गिराया गया। एक एके राइफल, पिस्तौल और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद सहित युद्ध सामग्री बरामद की गई है।

एनडीए तीसरी बार जीत का जनादेश पाने को तैयार : भाजपा

भाजपा सरकार के पांच परिवर्तनकारी साल, असम के युवाओं को समर्पित

गुवाहाटी (हिंस)। असम में पिछले पांच साल राज्य के युवाओं के समग्र सशक्तिकरण और प्रगति को समर्पित एक शानदार अध्याय के रूप में खड़ा है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के गतिशील नेतृत्व में, असम की युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को आधुनिक असम की बागडोर संभालने वाला एक दृढ़ और दूरदर्शी रक्षक मिला है। 2021 में युवाओं के जबरदस्त जनादेश के साथ सत्ता संभालने के बाद, डॉ. हिमंत विश्व शर्मा आगामी विधानसभा चुनावों के लिए भी असम के युवा मतदाताओं की पहली पसंद बनकर उभरे हैं। एक दशक पहले, असम के युवाओं को शिक्षा और शैक्षणिक कार्यों से ध्यान हटाकर, अनसुलझे राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर आंदोलन और प्रदर्शनों में शामिल होने के लिए मजबूर होना पड़ता था। हालांकि, निर्णायक नेतृत्व और लगातार प्रयासों के माध्यम से, वर्तमान सरकार ने कई ऐसे पुराने मुद्दों को सफलतापूर्वक हल किया है, जिन्होंने कभी राज्य के युवाओं के भविष्य पर ग्रहण लगा दिया था। ये बातें रविवार को असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता प्रांजल कलिता ने प्रदेश भाजपा

मुख्यालय, अटल बिहारी वाजपेयी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों के दौरान शुरू की गई कई ऐतिहासिक पहलों में से, सबसे ऐतिहासिक कदम सरकारी भर्ती की एक पारदर्शी और योग्यता-आधारित प्रणाली की स्थापना रहा है। एक लाख नौकरियां देने के चुनावी वादे को पार करते हुए, सरकार ने राज्य में पहले ही 1.60 लाख से ज्यादा सरकारी नियुक्तियां सफलतापूर्वक प्रदान कर दी हैं। इसके बिल्कुल विपरीत, कांग्रेस शासन के दौरान, हजारों युवा उम्मीदवारों को केवल रोजगार पाने के लिए अपनी पारिवारिक जमीन बेचने और भारी रिश्वत देने के लिए मजबूर होना पड़ता था। आज, भाजपा सरकार में सामान्य और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के युवा बिना एक रुपया दिए, पूरी तरह से योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियां पा रहे हैं। ऐसे समय में जब असम के हजारों युवाओं को रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों में पलायन करने पर मजबूर होना पड़ा, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की दूरदर्शी पहलों, विशेष रूप से *एडवांटेज असम* के माध्यम से राज्य ने बड़े पैमाने पर औद्योगिक निवेश का मार्ग प्रशस्त किया है, जिससे असम के भीतर ही रोजगार के नए अवसर खुले हैं। सरकारी रोजगार से परे, भाजपा सरकार ने विभिन्न वित्तीय सहायता योजनाओं के माध्यम से लाखों युवाओं को उद्यमिता अपनाने में भी सक्षम बनाया है। मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गई एक और दूरगामी और सामाजिक रूप से बदलाव लाने वाली पहल बाल विवाह के खिलाफ चलाया गया निर्णायक अभियान है। एक आधुनिक समाज में, जहां युवा महिलाएं देश के भविष्य को संवारने में बराबर की भागीदार हैं, असम की कई लड़कियां पहले आर्थिक तंगी और सामाजिक बंदिशों के कारण उच्च शिक्षा से वंचित रह जाती थीं। हालांकि, साहसिक प्रशासनिक उपायों के जरिए, अनगिनत युवा लड़कियों को, जिन्हें कभी कम उम्र में शादी के लिए मजबूर किया जाता था, इस पिछड़ी प्रथा से आजादी मिली है; और अब वे नए सम्मान और आत्मविश्वास के साथ शिक्षा और आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ रही हैं। इसके अलावा, सरकार की विभिन्न पहलें, जैसे छात्राओं को स्कूटर देना, *निजुत मोइना योजना* के तहत मासिक वजीफा देना, सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण और *मुख्यमंत्री उद्यमिता मिशन* के तहत 10 हजार की आर्थिक सहायता देना, ने असम में महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण को काफी मजबूती दी है। राज्य के युवाओं के लिए, कई प्रगतिशील पहलें, जैसे शोधार्थियों के लिए *जीवन प्रेरणा योजना* , छात्रों के लिए *निजुत बाबू योजना* और *जीवन अनुप्रेरणा योजना* ने युवा मन में आत्मविश्वास और प्रेरणा को और बढ़ाया है। युवा ही देश की मुख्य प्रेरक शक्ति होते हैं और अकेले असम में ही 35 वर्ष से कम आयु के 62 लाख से ज्यादा मतदाता हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि आज, गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित वेटरनरी कॉलेज के मैदान में, पूरे राज्य से 1.5 लाख से ज्यादा युवा लड़के-लड़कियां इकट्ठा हुए। यहां वे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या को आगामी विधानसभा चुनावों का बिगुल बजाते हुए देखा। *जन आशीर्वाद यात्रा* के दौरान देखने को मिली जबरदस्त भागीदारी और जोशीला समर्थन इस बात का साफ प्रमाण है कि असम के युवा एक बार फिर, लगातार तीसरी बार, राज्य में भाजपा को सत्ता में लाने के लिए पूरी तरह से उत्सुक और दृढ़-संकल्पित हैं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया और भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष राकेश दास के प्रेरणादायक संबोधनों ने युवा पीढ़ी के उत्साह और संकल्प को और भी ज्यादा बढ़ा दिया है। संवाददाता सम्मेलन के दौरान प्रवक्ता ने बताया कि गुवाहाटी से ही, 1.5 लाख से ज्यादा भाजपा युवा कार्यकर्ता दृढ़ता और प्रतिबद्धता का एक शक्तिशाली संदेश पूरे असम में फैलाएंगे, क्योंकि पार्टी पूरे आत्मविश्वास के साथ 2026 के विधानसभा चुनावों की ओर कदम बढ़ा रही है। संवाददाता सम्मेलन के दौरान प्रवक्ता के साथ मीडिया पैनलिस्ट गीतार्थ बोरा भी मौजूद थे।

त्रिपुरा और नागालैंड उपचुनाव का मतदान 9 अप्रैल को

त्रिपुरा। भारत निर्वाचन आयोग ने रविवार को पूर्वोत्तर के दो विधानसभा क्षेत्रों-त्रिपुरा के धर्मनगर और नागालैंड के कोरिडांग-में उपचुनाव की घोषणा की, जिसमें मतदान 9 अप्रैल को और मतगणना 4 मई को निर्धारित की गई है। यह घोषणा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने असम, तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम का अनावरण करते हुए की। राज्य स्तरीय चुनाव कार्यक्रम के साथ-साथ, चुनाव आयोग ने गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नागालैंड और त्रिपुरा सहित कई राज्यों में आठ विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव की भी घोषणा की। उत्तरी त्रिपुरा जिले के धर्मनगर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव वरिष्ठ विधायक और त्रिपुरा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष बिस्वा बंधु सेन के निधन के कारण आवश्यक हो गया था। 72 वर्षीय सेन का 26 दिसंबर, 2025 को बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में कई महीनों के इलाज के बाद निधन हो गया। राज्य के एक प्रमुख राजनीतिक व्यक्ति, उन्होंने त्रिपुरा विधानसभा के सदस्य के रूप में चार बार कार्य किया। उन्हें पहली बार 2008 और 2013 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के टिकट पर धर्मनगर से चुना गया था, और बाद में उन्होंने 2018 और 2023 में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। विपक्षी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे ने धर्मनगर उपचुनाव के लिए पूर्व विधायक अमिताभ दत्ता को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है, जबकि सत्तारूढ़ भाजपा और अन्य दलों को अभी अपने उम्मीदवारों की घोषणा करनी बाकी है। नागालैंड में, अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित कोरिडांग विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव, अनुभवी नागा नेता इम्कोंग एल इम्चेन के निधन के बाद आवश्यक हो गया था। 75 वर्षीय इम्चेन का 11 नवंबर, 2024 को गुवाहाटी के एक निजी अस्पताल में संक्षिप्त बीमारी के बाद निधन हो गया। उन्होंने नागालैंड विधानसभा में कोरिडांग निर्वाचन क्षेत्र का पांच बार प्रतिनिधित्व किया, जिसमें पहली बार उन्होंने 2003 में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की।

मेघालय के पश्चिम गारो हिल्स में कर्फ्यू 24 घंटे के लिए और बढ़ा दिया गया

तुरा। मेघालय के पश्चिम गारो हिल्स जिला प्रशासन ने मौजूदा कर्फ्यू को 16 मार्च की सुबह 6 बजे से 17 मार्च की सुबह 6 बजे तक, यानी 24 घंटे के लिए और बढ़ा दिया है। पश्चिम गारो हिल्स के जिला मजिस्ट्रेट ने रविवार को एक नया आदेश जारी किया। क्षेत्र में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर कर्फ्यू की अवधि बढ़ाने का आदेश दिया गया है। पश्चिम गारो हिल्स के जिला मजिस्ट्रेट, आईएएस विभोर अग्रवाल द्वारा जारी आदेश में कहा गया है, स्थिति का सावधानीपूर्वक आकलन करने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों से प्राप्त रिपोर्टों के आधार पर, मैं संतुष्ट हूं कि सामान्य स्थिति बहाल करने और हिंसा को और बढ़ने से रोकने के लिए कड़े निवारक उपायों को जारी रखना आवश्यक है। अत: मैं, श्री विभोर अग्रवाल, आईएएस, जिला मजिस्ट्रेट, पश्चिम गारो हिल्स जिला, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पश्चिम गारो हिल्स जिले के संपूर्ण क्षेत्राधिकार में लागू कर्फ्यू को एक और अवधि के लिए बढ़ाता हूं, इसमें आगे कहा गया। कर्फ्यू की अवधि के दौरान पश्चिम गारो हिल्स की सीमा के भीतर नागरिकों को अपने निवास स्थान से बाहर निकलने की अनुमति नहीं है। हालांकि, आदेश के अनुसार, सामान्य गतिविधियों को सुगम बनाने के लिए 16 मार्च को सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक 12 घंटे के लिए कर्फ्यू में ढील दी जाएगी। इस ढील की अवधि के दौरान, सभी शैक्षणिक संस्थान, कार्यालय, बैंक और अन्य प्रतिष्ठान सामान्य रूप से कार्य करेंगे। आदेश में कहा गया है, पश्चिम गारो हिल्स जिले के सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों, कार्यकारी मजिस्ट्रेटों और पुलिस अधिकारियों को इस आदेश को सख्ती से लागू करने और कर्फ्यू का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया जाता है।

राज्य सरकार ने जातीय उग्रवाद को समाप्त करने के लिए कुकी और हमार सशस्त्र समूहों के साथ शांति समझौता किया

गुवाहाटी : असम सरकार ने रविवार को राज्य में कुकी और हमार समुदायों से संबंधित चार सशस्त्र समूहों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओएस) पर हस्ताक्षर किए। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इन समझौतों से राज्य में *जातीय उग्रवाद* का अंत हो गया है। असम के शिक्षा मंत्री रानोज पेगू की उपस्थिति में दिसपुर में आयोजित एक औपचारिक समारोह में इन समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले तीन कुकी सशस्त्र समूह हैं: यूनाइटेड कुकीगम डिफेंस आर्मी (यूकेडीए), कुकी रिवोल्यूशनरी आर्मी (केआरए)

और कुकी लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन (केएलओ) तथा इसकी सशस्त्र शाखा, कुकी लिबरेशन आर्मी (केएलए)। हमार पीपुल्स कन्वेंशन-डेमोक्रेटिक (एचपीसी-डी) ने भी इसी अवसर पर सरकार के साथ एक अलग समझौता किया। खबरों के मुताबिक, चारों समूहों ने 2012 में तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री और मुख्यमंत्री की उपस्थिति में हथियार डाल दिए थे और ऑपरेशन सस्पेंशन (एसओओ) समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। ङ्क पर एक पोस्ट में, रानोज पेगु ने समझौते पर हस्ताक्षर को असम के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया और कहा कि यह समूहों को लोकतांत्रिक मुख्यधारा में लाएगा। उन्होंने लिखा कि मुख्यमंत्री के गतिशील नेतृत्व में, असम में शांति के लिए आज एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की गई, जब असम सरकार और कुकी समूहों के साथ-साथ हमार पीपुल्स कन्वेंशन (डेमोक्रेटिक), असम क्षेत्र के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। उन्होंने आगे कहा कि ये समझौते इन समूहों को लोकतांत्रिक मुख्यधारा में लाते हैं और दोनों समुदायों की सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक उन्नति को बढ़ावा देने के लिए कुकी कल्याण और विकास परिषद और हमार कल्याण और विकास परिषद के गठन का मार्ग प्रशस्त करते हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रस्तावित परिषदों में एक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्य कार्यकारी सदस्य, कार्यकारी सदस्य, सामान्य सदस्य और असम सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य शामिल होंगे, और दोनों परिषदों का मुख्यालय गुवाहाटी में स्थापित किया जाएगा। इस समझौते में कुकी और हमार समुदायों के बसे क्षेत्रों में विकास को गति देने के लिए बनाई गई कई योजनाओं का भी उल्लेख किया गया है। इसके अतिरिक्त, असम सरकार सशस्त्र संघर्ष के दौरान जान गंवाने वाले कार्यकर्ताओं के परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी।

मणिपुर : संविदा नर्सों से जबरन वसूली के आरोप में चार गिरफ्तार, 39 लाख रुपए

इंफाल। पुलिस ने रविवार को बताया कि इंफाल के जवाहरलाल नेहरू आयुर्वेद संस्थान में संविदा नर्सों से कथित तौर पर पैसे वसूलने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पीड़ितों द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के बाद गिरफ्तारियां की गईं, जिसमें पीड़ितों ने समूह पर उनसे जबरन पैसे वसूलने का आरोप लगाया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और शुक्रवार को इंफाल पश्चिम जिले में कई स्थानों पर छापेमारी की, जिसके परिणामस्वरूप चारों संदिग्धों को उनके आवासों से हिरासत में लिया गया। आधिकारिक बयान के अनुसार, ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने आरोपी से 39 लाख रुपए नकद और एक पिस्तौल बरामद की। जांचकर्ताओं ने कहा कि यह जबरन वसूली कथित तौर पर प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन कंगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (ताइबांगंगनबा) के निर्देशों पर की गई थी। नर्सों से एकत्र किया गया पैसा कथित तौर पर भूमिगत संगठन को हस्तांतरित कर दिया गया था। पुलिस ने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है।

असम विधानसभा चुनाव के लिए एजेपी ने 12 सदस्यीय चुनाव प्रबंधन समिति का किया गठन

गुवाहाटी। असम जातीय परिषद (एजेपी) ने आगामी असम विधानसभा चुनावों से संबंधित सभी गतिविधियों की देखरेख और समन्वय के लिए 12 सदस्यीय चुनाव प्रबंधन समिति का गठन किया है। पार्टी के महासचिव जगदीश भुयान द्वारा हस्ताक्षरित एक अधिसूचना के अनुसार, पार्टी के दो स्थायी मुख्य सलाहकार, बसंत डेका और डॉ. कृष्ण गोपाल भट्टाचार्य, समिति के सलाहकार के रूप में कार्य करेंगे। चंद्रकांत दास को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि कमल नयन चौधरी उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे। शमशेर सिंह को मुख्य संयोजक नामित किया गया है। समिति के अन्य संयोजक चितरंजन बसुमतारी, राजू फुकन, अमृत खतनियार, जियाउर रहमान, गिरिन तालुकदार, अमिताभ बोरठाकुर और निखिल भट्टाचार्य हैं। यह समिति विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी की चुनाव संबंधी तैयारियों और गतिविधियों के प्रबंधन और समन्वय के लिए जिम्मेदार होगी। शनिवार को एजेपी अध्यक्ष लुरिंज्योति गोगोई ने इस बात पर जोर दिया कि विपक्षी गठबंधन का मुख्य उद्देश्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराना है। उन्होंने पार्टी नेताओं और संभावित उम्मीदवारों से इस व्यापक राजनीतिक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए व्यक्तिगत भावनाओं और

अहंकार को त्यागने का आग्रह किया। आगामी चुनावों की तैयारियों के बारे में मीडिया से बात करते हुए, गोगोई ने कहा कि गठबंधन सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे पर चर्चा नई दिल्ली में पहले ही अंतिम रूप दे दी गई है और पार्टी जल्द ही अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करेगी। गोगोई ने इस बात पर जोर दिया कि गठबंधन का ध्यान भाजपा को सत्ता से बाहर करने के साथ-साथ चुनावों से पहले अपने सहयोगियों के बीच समन्वय को मजबूत करने पर केंद्रित है। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने आज घोषणा की कि असम में विधानसभा चुनाव 9 अप्रैल को होंगे और परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

नगांव में बोरिक होमियो के तत्वावधान में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

नगांव (निसं)। नगांव शहर के हैबरगांव तेलियापट्टी स्थित बोरिक होमियो रेमिडीज के तत्वावधान में रविवार को पूरे दिन चलने वाले कार्यक्रम के तहत एक स्वास्थ्य जांच शिविर तथा नि:शुल्क दवा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसे डॉ. एसएस.ठाकुर और डॉ. बीके नाथ ने संपन्न किया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में कोलकाता की केंट फार्मास्यूटिकल, उत्तर प्रदेश की एसबीएल, बिहार की आरईपीएल, दिल्ली की ब्रूनेट, कोलकाता की एलन तथा जर्मनी की क्रिर एंड केयर सहित देश की 30 से अधिक होम्योपैथिक दवा कंपनियों ने भाग लिया। इन संस्थानों ने नि:शुल्क दवाएं उपलब्ध कराईं। नगांव के

साथ-साथ कार्बी आंग्लांग, मोरीगांव, लाहरीघाट, लंका, डबका, होजाई आदि स्थानों से आए होम्योपैथिक चिकित्सकों ने भी उपस्थित रहकर दवाओं का संग्रह किया। सुबह से शुरू हुए इस स्वास्थ्य जांच शिविर में चिकित्सक के रूप में डॉ. एमआर चौधरी, डॉ. एमहक, डॉ. पंकज ज्योति बरुआ, डॉ. रक्तिम मेधी सहित अन्य डॉक्टर उपस्थित रहे। इसके अलावा बोरिक होमियो रेमिडीज के स्वत्वाधिकारी बिप्लव रॉय तथा संस्थान के कर्मचारी भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

त्रिपुरा में आपातकालीन प्रतिक्रिया को बेहतर बनाने के लिए 24 बेसिक लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस को हरी झंडी

अगरतला। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने रविवार को अगरतला में 24 बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसका उद्देश्य राज्य के लोगों के लिए एक मजबूत, अधिक सुलभ और उत्तरदायी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का निर्माण करना है। ये एंबुलेंस जीवन बचाने वाले सभी आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित हैं, जिन्हें सड़क दुर्घटनाओं और चिकित्सा आपात स्थितियों के प्रति राज्य की प्रतिक्रिया को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। ध्वजारोहण समारोह में बोलते हुए मुख्यमंत्री साहा ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के किसी भी पहलू पर समझौता नहीं करना चाहती और यह पहल त्रिपुरा के लोगों को समर्पित है। इस पहल का उद्देश्य आपातकालीन स्थितियों में राज्य की त्वरित प्रतिक्रिया, समय पर आघात उपचार और रोगी परिवहन प्रणाली में सुधार करना है। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने ट्विटर पर एक पोस्ट में कहा कि आज हमने बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) और एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (एएलएस) सुविधाओं से लैस 24 नई एंबुलेंस लांच की हैं। इनमें से 20 एंबुलेंस आपातकालीन स्थिति में देखभाल के लिए समर्पित हैं और शेष 4 को 102 हेल्पलाइन से जोड़ा जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि इस पहल से आपातकालीन स्थितियों में राज्य की त्वरित प्रतिक्रिया, समय पर आघात उपचार और रोगी परिवहन प्रणाली में उल्लेखनीय सुधार होगा। इसके माध्यम से राज्य के विभिन्न हिस्सों में महत्वपूर्ण चिकित्सा सहायता शीघ्रता से पहुंचाई जा सकेगी। इसके अलावा, मुख्यमंत्री के अनुसार, आधुनिक एंबुलेंस विशेष रूप से सड़क दुर्घटनाओं और अन्य चिकित्सा आपात स्थितियों में जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी और राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और गतिशील बनाएंगी।

सीआईटी कोकराझाड़ में *भारतीय भाषा परिवार* पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन

कोकराझाड़ (विभास)। केंद्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कोकराझाड़ (सीआईटी) के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा *भारतीय भाषा परिवार* एक राष्ट्र, अनेक भाषाएं और संस्कृतियां विषय पर एक गरिमामय दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का सफल आयोजन किया गया। नई दिल्ली स्थित शिक्षा मंत्रालय के तहत भारतीय भाषा समिति द्वारा प्रायोजित इस सेमिनार का समन्वय विभाग की डॉ. तनुश्री नायक द्वारा किया गया। वहीं, भारतीय भाषा समिति के राष्ट्रीय समन्वयक प्रोफेसर सुशील शर्मा ने कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सेमिनार का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथि और सीआईटीके के रजिस्ट्रार प्रो. हेमंत कलिता ने किया। उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण *भारतीय भाषा परिवार* पर आधारित दो नई पुस्तकों का विमोचन रहा, जिन्हें नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया द्वारा प्रकाशित किया गया है। इस दो दिवसीय आयोजन में भारत और

पड़ोसी देश नेपाल के कई प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और भाषाविदों ने हिस्सा लिया। मुख्य वक्ताओं में प्रो. रमेश चंद्र शर्मा (सेवानिवृत्त, दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. प्रकाश चंद्र पट्टनायक (सेवानिवृत्त, दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. श्रवण कुमार शर्मा (नालंदा विश्वविद्यालय, बिहार), प्रो. अमित भट्टाचार्य (यूनिवर्सिटी ऑफ गौड़ बंग), प्रो. द्विजैन शर्मा (नेहू, तुरा), प्रो. अजीत कुमार वैश्य (असम विश्वविद्यालय, सिलचर), श्री राजेंद्र प्रसाद बराल (त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल) शामिल थे। सेमिनार के दौरान ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से 35 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। इन शोध पत्रों के माध्यम से भाषाई विविधता और राष्ट्र को जोड़ने वाले सांस्कृतिक सूत्रों पर गहन चर्चा हुई। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और प्रतिभागियों के बीच मातृभाषा सीखने के महत्व के प्रति जागरूकता पैदा करना था। अकादमिक आदान-प्रदान के अलावा, इस आयोजन ने *भारतीय भाषा परिवार* की गहरी समझ विकसित की और विभिन्न भारतीय भाषाओं को सीखने के लिए एक सकारात्मक वातावरण तैयार करने पर जोर दिया।

आपा ने 2026 असम विस चुनावों के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

गुवाहाटी (हिंस)। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने रविवार को असम में 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए अपने 14 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, जिसमें राज्य भर के कई निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। पार्टी द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, नाउबोइचा, देरगांव, गोहपुर, मध्य गुवाहाटी और शिवसागर विधानसभा क्षेत्र सहित कई अन्य क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की गई है। पार्टी ने नाउबोइचा से अच्युत दास, डेरगांव से पुलिन गोगोई, गोहपुर से जरबोम कुतुम और मध्य गुवाहाटी से अनुरूपा डेका राजा को मैदान में उतारा है। अन्य उम्मीदवारों में खुमटाई से आशीष हजारिका, शिवसागर से तपन गोगोई, रंगानदी से टिकेंद्र थापा और चेंगा से जाहिदुल इस्लाम खान शामिल हैं। पार्टी ने नादवार विधानसभा क्षेत्र से रंजीत बोड़ो, तीताबर से पल्लव सैकिया, पूर्वी ग्वालपाड़ा से जिन्ना अमीर हुसैन, रहा से बरुण विकास दास, बोकाजान से मेनूका तिमुंगपी और बिश्वनाथ से अनंत गोगोई को भी उम्मीदवार बनाया है।

संपादकीय

अनिद्रा की महामारी

भारतीय जन-जीवन में तेजी से घर करती डिजिटल जीवन शैली ने युवाओं की नींद को बुरी तरह प्रभावित किया है। जिसके चलते उनमें आक्रामकता, अवसाद व आत्महत्या की प्रवृत्ति विकसित हो रही है। देश-दुनिया में समय-समय पर आने वाले विभिन्न सर्वेक्षण इस संकट की ओर इशारा कर रहे हैं। लेकिन देश में किशोरों का स्क्रीन टाइम घातक ढंग से बढ़ रहा है। आमतौर पर चिकित्सा विशेषज्ञ मानते हैं कि किशोरों की सेहत के लिये आठ घंटे की नींद जरूरी होती है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ आठ घंटे के बजाय सात-छह घंटे की नींद को भी पर्याप्त मानते हैं, बशर्ते उसमें बीच में किसी तरह का व्यवधान न हो। लेकिन बिना किसी जरूरी काम के कथित सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना आज के दौर में फैशन सा बन गया है। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों में हुए हालिया शोध बताते हैं कि रात में जल्दी सोने व सुबह जल्दी उठने से बेहतर स्वास्थ्य बनता है। यह भारतीय जीवन दर्शन की अपरिहार्य धारणा भी रही है। लेकिन देश में पहले टीवी और अब मोबाइल फोन के अनियंत्रित उपयोग ने युवाओं की रात की नींद उड़ा दी है। जिसके चलते युवा पूरे दिन उखड़े-उखड़े और अशांत रहते हैं। उनमें आक्रामकता बढ़ रही है। फिर वे अवसाद के शिकार हो जाते हैं। बाधित नींद की इस स्थिति में कालांतर मन में आत्महत्या जैसे नकारात्मक भाव उमड़ने लगते हैं। एक सर्वे बताता है कि देश में 73 फीसदी दसवीं के छात्र आठ घंटे से कम की नींद सोते हैं। कलकत्ता स्लीप सोसाइटी के विशेषज्ञ बताते हैं कि दुनिया में 60 से 70 फीसदी किशोर पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहे हैं। दरअसल, आज छात्रों पर अभिभावकों व शिक्षकों का अनुशासन कम हो चलता है। मां-बाप के टोकने पर वे दलील देते हैं कि ऑन लाइन पढ़ाई चल रही है। कोरोना संकट ने देश-दुनिया में ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प तो दिया, लेकिन तमाम तरह की विसंगतियां व विकृतियां भी किशोरों के जीवन में भर दी हैं। एक चौंकाने वाला आंकड़ा बताता है कि देश में सत्तर करोड़ भारतीय छह घंटे की नींद नहीं ले पाते। वहीं 46 प्रतिशत भारतीय छह घंटे से कम की नींद ले पाते हैं। लेकिन सबसे बड़ा संकट युवाओं व किशोरों से जुड़ा है। वे देर रात तक ऑनलाइन गेमों से जुड़े रहते हैं। रात में जाने-अनजाने दोस्त उनके सहभागी बनते हैं। जो कालांतर एक नशे की लत का रूप ले लेता है। परिजनों की रोक-टोक उन्हें रास नहीं आती। कई घटनाओं में उनके आक्रामक व्यवहार के घातक परिणाम सामने आए हैं। यहां तक कि नजदीकी परिजनों की हत्या की घटनाएं भी हुई हैं। दरअसल, ऑनलाइन खेलों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वे किशोरों के लिये नशा बन जाते हैं। रात का एकांत उन्हें रास आता है। जिसके चलते वे नींद की परवाह नहीं करते। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया व ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर तमाम वर्जित व अश्लील सामग्री की रात्रि में भरमार रहती है। जिसकी चपेट में छोटे-बड़े लोग आ रहे हैं। युवा देर रात का एकांत तलाशते हैं ताकि परिजनों की अनुपस्थिति में वे मनमानी कर सकें। वे देर रात तक ऑनलाइन रहने में अपनी शान समझते हैं। यह भूल जाते हैं कि वास्तव में, वे अपनी सेहत से किस हद तक खिलवाड़ कर रहे हैं। चिकित्सा विशेषज्ञ चेतावनी देते रहे हैं अनिद्रा से उच्च रक्तचाप की समस्या पैदा हो रही है। जो कालांतर हाइपरटेंशन में बदल जाती है। दरअसल, शरीर की जैविक घड़ी के परिचालन में व्यवधान से शरीर नकारात्मक प्रतिक्रिया देता है। देर रात जागने और मोबाइल के नशे में किशोर असमय खाते-पीते हैं, जिससे उनमें मोटापे की समस्या भी घर कर रही है। यही वजह है कि अब किशोरों तक में डाइबिटीज की समस्या देखने में आ रही है। दरअसल, कुदरती सोने के समय का विकल्प देर रात या सुबह की नींद नहीं हो सकती है। यह संकट बड़ा है और अभिभावकों व शिक्षकों को किशोरों की देर रात जागने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिये गंभीर प्रयास करने होंगे। अन्यथा देश को कालांतर अस्वस्थ युवा पीढ़ी का संत्रास झेलने को बाध्य होना पड़ेगा।

देश-दुनिया में समय-समय पर आने वाले विभिन्न सर्वेक्षण इस संकट की ओर इशारा कर रहे हैं। लेकिन देश में किशोरों का स्क्रीन टाइम घातक ढंग से बढ़ रहा है। आमतौर पर चिकित्सा विशेषज्ञ मानते हैं कि किशोरों की सेहत के लिये आठ घंटे की नींद जरूरी होती है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ आठ घंटे के बजाय सात-छह घंटे की नींद को भी पर्याप्त मानते हैं, बशर्ते उसमें बीच में किसी तरह का व्यवधान न हो। लेकिन बिना किसी जरूरी काम के कथित सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना आज के दौर में फैशन सा बन गया है। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों में हुए हालिया शोध बताते हैं कि रात में जल्दी सोने व सुबह जल्दी उठने से बेहतर स्वास्थ्य बनता है। यह भारतीय जीवन दर्शन की अपरिहार्य धारणा भी रही है। लेकिन देश में पहले टीवी और अब मोबाइल फोन के अनियंत्रित उपयोग ने युवाओं की रात की नींद उड़ा दी है। जिसके चलते युवा पूरे दिन उखड़े-उखड़े और अशांत रहते हैं। उनमें आक्रामकता बढ़ रही है। फिर वे अवसाद के शिकार हो जाते हैं। बाधित नींद की इस स्थिति में कालांतर मन में आत्महत्या जैसे नकारात्मक भाव उमड़ने लगते हैं। एक सर्वे बताता है कि देश में 73 फीसदी दसवीं के छात्र आठ घंटे से कम की नींद सोते हैं। कलकत्ता स्लीप सोसाइटी के विशेषज्ञ बताते हैं कि दुनिया में 60 से 70 फीसदी किशोर पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहे हैं। दरअसल, आज छात्रों पर अभिभावकों व शिक्षकों का अनुशासन कम हो चलता है।

कुछ अलग

आचरण मात्र से भी शांत हो सकते हैं ग्रह

हम सभी जानते हैं कि जैसे मनुष्य कर्म करता है, उसको उसी प्रकार का फल प्राप्त होता है। कर्म फल भी रूप परिवर्तित कर व्यक्ति को देर-सवेर सुख-दुख के रूप में प्राप्त होता है। विज्ञान की भाषा में जिस प्रकार पदार्थ कभी नष्ट नहीं होता है, उसका केवल रूप बदल जाता है, उसी प्रकार किया गया कर्म भी कभी निष्फल नहीं होता है। अपने पूर्व जन्मों में किए गए पापों से रुष्ट ग्रहों को प्रसन्न करने के लिए, उपासना, यज्ञ, रत्न धारण आदि का विधान प्राचीन ग्रंथों में वर्णित है। अनुभव में आया है कि यदि हम लोग ग्रह की अपेक्षा सीधे जीव से संबंध स्थापित करें, तो ग्रह अति शीघ्र प्रसन्न हो सकते हैं। धर्मशास्त्रों में सफलता के सूत्र, संकेतों के रूप में रहते हैं। मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, गुरु देवो भव, अतिथि देवो भव, वेद वाणी है। इसी प्रकार शास्त्र कहता है, मात्र प्रणाम करने से, सदाचार के पालन से एवं नित्य वृद्धों की सेवा करने से आयु, विद्या, यश व बल की वृद्धि होती है। यदि हम जीवों के प्रति परोपकार की भावना रखें, तो अपनी कुण्डली में रुष्ट ग्रहों की रुष्टता को न्यूनतम कर सकते हैं। हर व्यक्ति पर किसी न किसी ग्रह का अपना एक विशेष प्रभाव रहता है, इस प्रकार का विशेष प्रभाव उसके आचार-विचार, व्यवहार व जीवन की कुछ विशेष व प्रमुख घटनाओं के माध्यम से प्रकट होता है। नौ ग्रह इस चराचर जगत में पदार्थ, वनस्पति, तत्व, पशु-पक्षी इत्यादि सबमें अपना प्रतिनिधित्व समाहित रखते हैं। सूर्य आत्मा के साथ-साथ पिता का प्रतिनिधित्व करता है और चंद्रमा मन के साथ-साथ माता का, मंगल पराक्रम के साथ-साथ छोटे भाइयों का, शनि दुःख के साथ सेवक का, बृहस्पति ज्ञान के साथ गुरु एवं बड़े भाई तथा उनके समकक्ष लोगों का, बुध वाणी के साथ-साथ मामा का, शुक्र ऐश्वर्य के साथ जीवनसाथी का कारक है।

केंद्र की मोदी सरकार और एनडीए की स्थिरता को भी प्रभावित करने वाला अविश्वास प्रस्ताव था

अविश्वास प्रस्ताव और विपक्ष का आचरण

डॉ राकेश कुमार आर्य

वास्तव में यह अविश्वास प्रस्ताव लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध ही नहीं था बल्कि यह केंद्र की मोदी सरकार और एनडीए की स्थिरता को भी प्रभावित करने वाला अविश्वास प्रस्ताव था। यदि यह अविश्वास प्रस्ताव स्वीकार हो जाता तो निश्चित रूप से सरकार की स्थिरता पर भी गंभीर संवैधानिक संकट खड़ा हो गया होता। इसलिए सरकार के लिए यह प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया था। वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी की के द्वारा किए जा रहे कार्यों के दृष्टिगत उनके किसी भी साथी दल ने उनसे दूर जाना उचित नहीं माना। यही कारण रहा कि सारा राजग मजबूती के साथ अपने नेता के साथ खड़ा रहा। वैसे लोकसभाध्यक्ष के विरुद्ध प्रस्तुत किया गया यह अविश्वास प्रस्ताव पहला अविश्वास प्रस्ताव नहीं है। इससे पूर्व सबसे पहले अविश्वास प्रस्ताव गणेश वासुदेव मावलंकर के विरुद्ध आया था। जो कि लोकसभा के पहले स्पीकर हुआ करते थे।

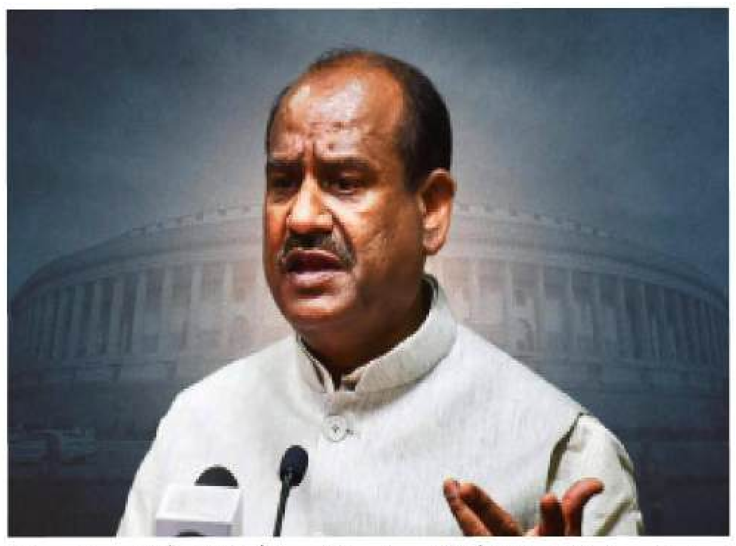

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध विपक्ष की ओर से प्रस्तुत किया गया अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से निरस्त हो गया है। वास्तव में यह अविश्वास प्रस्ताव लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध ही नहीं था बल्कि यह केंद्र की मोदी सरकार और एनडीए की स्थिरता को भी प्रभावित करने वाला अविश्वास प्रस्ताव था। यदि यह अविश्वास प्रस्ताव स्वीकार हो जाता तो निश्चित रूप से सरकार की स्थिरता पर भी गंभीर संवैधानिक संकट खड़ा हो गया होता। इसलिए सरकार के लिए यह प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया था। वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी की के द्वारा किए जा रहे कार्यों के दृष्टिगत उनके किसी भी साथी दल ने उनसे दूर जाना उचित नहीं माना। यही कारण रहा कि सारा राजग मजबूती के साथ अपने नेता के साथ खड़ा रहा। वैसे लोकसभाध्यक्ष के विरुद्ध प्रस्तुत किया गया यह अविश्वास प्रस्ताव पहला अविश्वास प्रस्ताव नहीं है। इससे पूर्व सबसे पहले अविश्वास प्रस्ताव गणेश वासुदेव मावलंकर के विरुद्ध आया था। जो कि लोकसभा के पहले स्पीकर हुआ करते थे। 18 दिसंबर 1954 को लोकसभा ने अपने अध्यक्ष के विरुद्ध प्रस्तुत किए गए उस प्रस्ताव पर जमकर चर्चा की थी। जिसे कम्युनिस्ट पार्टी, प्रजा सोशलिस्ट पार्टी और हिंदू महासभा के द्वारा प्रस्तुत किया गया था। उस समय विपक्षी दलों का आरोप था कि स्थगन प्रस्ताव और प्रश्नों की अनुमति देने में लोकसभा अध्यक्ष की ओर से निष्पक्षता नहीं बरती जाती है। इसलिए लोकसभाध्यक्ष सभी सदस्यों का विश्वास प्रस्ताव प्राप्त करने में सफल नहीं रहे हैं।जिन्हें पद से हटाना ही एकमात्र विकल्प है। परंतु उस समय सत्तापक्ष का लोकसभा में पूर्ण बहुमत होने के कारण विपक्ष का वह प्रस्ताव गिर गया था। उसके बाद दूसरा अविश्वास प्रस्ताव 1966 की नवंबर में तत्कालीन लोकसभाध्यक्ष हुकमसिंह के विरुद्ध विपक्षी दलों के सांसदों द्वारा प्रस्तुत किया गया था। उसमें संसदीय कार्यवाही में विपक्ष को आनुपातिक दृष्टिकोण से पर्याप्त अवसर न देने का आरोप लगाकर विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। तीसरा अविश्वास प्रस्ताव अप्रैल 1987 में तत्कालीन लोकसभाध्यक्ष बलराम जाखड़ के विरुद्ध विपक्षी दलों की ओर से प्रस्तुत किया गया था। उस समय केंद्र में राजीव गांधी की सरकार थी। विपक्ष के सांसदों ने लोकसभाध्यक्ष पर आरोप लगाया था कि वह विपक्ष के प्रति पूर्वाग्रहग्रस्त हैं और राजीव गांधी सरकार के प्रति अधिक झुकाव रखते हैं। जबकि लोकसभाध्यक्ष को इस प्रकार का आचरण नहीं करना चाहिए। एक बार लोकसभाध्यक्ष बनने के पश्चात उसे प्रत्येक सांसद की निजता और सम्मान का ध्यान रखना चाहिए। राजीव गांधी के पास उस समय प्रचंड बहुमत था, जिसके कारण यह प्रस्ताव भी पारित नहीं हो पाया था। अब कुल मिलाकर इसी प्रकार के आरोप वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जी पर लगाए गए हैं। कांग्रेस के सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से आरोप लगाया गया है कि उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया जाता है। राहुल गांधी के इस आरोप पर सत्ता पक्ष की ओर से जवाब देते हुए केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने स्पष्ट किया कि 17वीं लोकसभा में कांग्रेस को 157 घंटे 55 मिनट का समय दिया गया था। जबकि उनके 52 सदस्य थे। 17वीं लोकसभा में कांग्रेस को भाजपा की अपेक्षा 6 गुणा अधिक समय दिया गया। जबकि भाजपा के पास 6 गुणा अधिक सदस्य थे। लोकसभा में भी कांग्रेस को भाजपा से दो गुणा समय मिला। वास्तव में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की समस्या यह है कि वह लोकसभा में भी अपनी गंभीरता नहीं दिखाते हैं। उनके रहते नेता प्रतिपक्ष का आचरण कुछ इस प्रकार का लग रहा जैसे केवल और केवल सरकारी नीतियों और कार्यों का विरोध करना ही नेता प्रतिपक्ष का एकमात्र कार्य है। इसके लिए वे हर प्रकार का हथकंडा अपनाने के लिए तैयार हैं।उसके बाद वह जनता के सामने अपने आपको एक विक्टिम के रूप में प्रस्तुत करते हैं। जिससे जनता को गुमराह किया जा सके। सत्ता में आने का यदि यही एकमात्र रास्ता है तो इसे देश की जनता सबसे घटिया रास्ता मानकर बार-बार नकार रही है, परन्तु राहुल गांधी हैं कि मनाने को तैयार नहीं हैं। वह सभी तथ्यों को नकारकर केवल एक ही रट लगाए जाते हैं कि उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया जाता। सत्ता पक्ष के सांसदों की ओर से यह स्पष्ट किया गया कि राहुल गांधी को जब संसद में ढूंढा जाता है और लोगों की उन्हें बोलते देखने की इच्छा होती है तो वह संसद में न होकर इंग्लैंड या जर्मनी में होते हैं। अच्छा हो कि राहुल गांधी समय पर बोलें, तर्क संगत बोलें, बोलने में झूठ का सहारा न लें। परंतु दुर्भाग्य से वह ऐसा नहीं कर पा रहे हैं। राहुल गांधी के मुताबिक यदि ईरान के समर्थन में बोलना और संसद में उस पर बहस करवाना ही उनके बोलने का सबसे अच्छा आधार हो सकता है तो इसे देश की जनता स्वीकार नहीं करेगी। आप वर्तमान सरकार की विदेश नीति के विरोधी हो सकते हैं, परंतु इसका अभिप्राय यह नहीं है कि जो देश भारत का अहित चाहते रहे हैं, उनके लिए ही हम अपनी संसद का कीमती समय नष्ट करें। देश का बच्चा-बच्चा जानता है कि फिलिस्तीनी नेता यासिर अराफ़ात इंदिरा गांधी के अच्छे दोस्त थे, उसके बाद वे राजीव गांधी के भी अच्छे दोस्त रहे। परंतु जब कश्मीर का प्रश्न आया तो संयुक्त राष्ट्र में उन्होंने भारत का विरोध करते हुए कश्मीर को पाकिस्तान का अभिन्न अंग बताया था। इसके अतिरिक्त इस बिंदु पर एक अच्छे मित्र की भांति इजरायल पहले दिन से भारत के साथ खड़ा रहा है। कांग्रेस के लिए अराफात की सोच अच्छी हो सकती है, परन्तु यह सोच राष्ट्र के लिए अच्छी नहीं हो सकती। इसे भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर भी स्वीकार नहीं किया जा सकता। मित्र को वही बोलना चाहिए जो मित्र के हित में हो। आतंकी देशों या संगठनों को दूध पिलाना किसी भी राष्ट्र की संप्रभुता के लिए उचित नहीं कहा जा सकता। यदि सरकार आतंकी देशों या संगठनों के सामने झुकती हुई दिखाई देती है या वोट प्राप्ति के लालच में उन्हें अधिक से अधिक सुविधाएं देती हुई दिखाई देती है तो यह सोच राष्ट्र का विखंडन तो करा सकती है, उसका उद्धार कभी नहीं करा सकती। वर्तमान में जब प्रकार ओम बिरला जी के लिए स्पष्ट हो गया है कि वह लोकसभा अध्यक्ष बने रहेंगे, उसके दृष्टिगत राहुल गांधी को भी आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। उन्होंने कई बार ऐसा किया है जब वह राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव तक से अनुपस्थित रहे हैं। इसी प्रकार सरकारी विधेयक पर चर्चा से भी वह भागते रहे हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा में भी अनेक बार भाग नहीं लिया। अंततः ऐसा कब तक चलेगा।

देश दुनीया से

पंजाब की 'कैंसर बेल्ट' के संकट की भ्रांति दूर करने का वक्त

एक दशक से,पंजाब के जन-स्वास्थ्य से जुड़ी चर्चाओं में जो एकमात्र छवि सबसे ज्यादा उभरती है–वह है ट्रेन नंबर 14888, जिसे 'कैंसर एक्सप्रेस' भी कहा जाता है। आधी रात बठिंडा से बीकानेर जाने वाली इस रेलगाड़ी में सवार लोगों को देखने वाले और पश्चिमी देशों के डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म निर्माताओं के लिए, यह एक 'विफल' भूमि का उदाहरण है-एक पुण्यभूमि जिसका नुकसान उसकी कथित कृषि-सफलता ने ही किया। हालांकि आलोचनात्मक नज़रिए से इस स्थिति की गहन जांच करने पर इस दलील की खामी ज़ाहिर हो जाती है। दुर्भाग्य से, कोई बाहरी व्यक्ति जब मालवा क्षेत्र की 'कैंसर बेल्ट' शब्द सुनता है तो लगेगा कि विज्ञान-प्रेरित लगने वाला यह निष्कर्ष लंबे शोध अध्ययनों पर आधारित होगा, जबकि असल में ऐसा बिल्कुल नहीं। मीडिया में इस शब्द का पहला लिखित उपयोग जून, 2005 में 'डाउन टू अर्थ' मैगज़ीन में हुआ था। यह नाम एक भाषाई बदलाव रणनीति का परिणाम है, मालवा इलाके के लिए दशकों से इस्तेमाल हो रहे 'कॉटन बेल्ट' में कॉटन की जगह कैंसर रखकर नया नाम गढ़ डाला। तब से, दुनिया के पर्यावरण पत्रकारों ने इस कहानी को अलग-अलग तरीकों से दिखाया। एक सराहनीय सामाजिक सेवा के अलावा 'कैंसर ट्रेन' के वजूद की कोई और वजह नहीं। 1940 के दशक से, बीकानेर का आचार्य तुलसी रीजनल कैंसर हॉस्पिटल (बाद में देश का 13वां क्षेत्रीय कैंसर सेंटर बना) मुफ़्त कैंसर इलाज देता आया है, जिनमें मालवा इलाके के मरीज़ भी शामिल हैं। इसके अलावा, 1990 के दशक से ही, भारतीय रेलवे कैंसर मरीज़ों के लिए भाड़ा माफी और तीमारदार के लिए स्लीपर और एसी-तृतीय यान में किराया छूट दे रहा है। इसलिए, ट्रेन में 'भीड़' की वजह सस्ते इलाज के साथ मुफ़्त टिकटों की सुविधा भी है न कि सिर्फ स्थानीय विषाक्तता से उपजा रोग। आधार जांच दर, कथित एज-एडजस्टेड इंसिडेंस रेट' (एएआईआर)- जो कि विविधितापूर्ण आबादी के आंकड़ा आधारित तुलनात्मक अध्ययन करने का बेस्ट पैमाना है, दर्शाता है कि भ्रांति किस तेजी से फीकी पड़ जाती है। आईसीएमआर-एनसीडीआईआर (2025-26) के डेटा के आधार पर, बठिंडा क्षेत्र का कैंसर एएआईआर सूचकांक प्रति 1,00,000 लोगों पर 125 मामले है। हालांकि यह राष्ट्रीय औसत (लगभग 100) से थोड़ा ज़्यादा है, लेकिन यह दिल्ली (146) या केरल (135) की तुलना में काफ़ी कम है। मिज़ोरम में एएआईआर बहुत अधिक बढ़कर 256 है। अगर 125 के आंकड़े के साथ बठिंडा 'कैंसर बेल्ट' कहलाता है, तब तो 256 दर के साथ, मिज़ोरम उस हिसाब से 'राष्ट्रीय आपदा' होना चाहिए, फिर भी निशाना केवल पंजाब को ही बनाया जा रह है। इस संकट में सबसे ज़्यादा नज़रअंदाज़ किया गया पहलू, विरोधाभासी रूप से, स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में पंजाब की शानदार उपलब्धि है। 2006-2010 के दौर में, जब वायरल हुई वे डॉक्यूमेंट्रीज रिलीज़ हुई थीं, पंजाब तब भारत के सबसे समृद्ध राज्यों में से एक था, जहां की औसत जीवन प्रत्याशा 70.6 साल थी-जो तब राष्ट्रीय औसत से 4.5 साल ज़्यादा थी। भले उसके बाद जीवन प्रत्याशा का यह राज्य-राष्ट्रीय अंतर लगातार कम होता गया है-संभवतः वायु प्रदूषण के कारण-फिर भी पंजाब का यह आंकड़ा अभी भी राष्ट्रीय औसत से ऊपर है। पंजाब में जीवन प्रत्याशा का ज़्यादा होना किसी 'किस्मत' जनित आनुवंशिकी की वजह से नहीं, बल्कि यह पंजाबी समुदाय में मौजूद 'परमार्थ संस्कृति' का नतीजा है, जो 'लंगर' और 'सेवा' को प्राथमिकता देती है। इसका अन्य कारण है 2005 के बाद छपे लेख और 2010 में बेहद लोकप्रिय हुई डॉक्यूमेंट्री। कैंसर बुढ़ापे की बीमारी है। उदाहरण के लिए, जिस गांव में 80 साल से अधिक उम्र के लोग ज़्यादा होंगे, वहां आसपास के गांवों की अपेक्षा कैंसर के मामले ज़्यादा होंगे, भले ही वहां का पानी उनसे ज़्यादा साफ़ हो। जिन राज्यों में लोगों की औसत उम्र कम है, वहां कई लोग 'कैंसर की उम्र' तक पहुंचने से पहले ही संक्रामक बीमारियों अथवा हृदय रोगों से मर जाते हैं। गौरतलब है कि जिन राज्यों में कैंसर की एएआईआर दर पंजाब से ज़्यादा है (जैसे केरल, दिल्ली और मिज़ोरम), वहां लोगों की औसत उम्र भी अधिक है। 'कैंसर बेल्ट' वाली बात को महज एक बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई कहानी जानकर, आखिरकार हम अपना वैज्ञानिक ध्यान और संसाधन इस इलाके की वास्तविक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं पर लगा सकेंगे। इनमें हेपेटाइटिस सी, मेटाबॉलिक सिंड्रोम, फैटी लिवर रोग, वायु प्रदूषण, शहरी कचरे का सही निपटान, भारी धातुओं के ज़हर और एंडोक्राइन को बिगाड़ने वाले 'नॉनिलफेनोल' जैसे रसायनों की उच्च मात्रा शामिल है। पिछले कई सालों से, पंजाब भारत में हेपेटाइटिस सी संक्रमण का मुख्य केंद्र बना हुआ है; भारत भर में हेपेटाइटिस सी के कुल प्रमाणिक मामलों के लगभग 35 प्रतिशत पंजाब के ही होते हैं। 44.2 प्रतिशत सूचकांक के साथ, पंजाब भारत में मोटापे का मुख्य केंद्र है, जबकि 53 प्रतिशत के साथ चंडीगढ़ में फैटी लिवर रोग के सर्वाधिक मामले पाए जाते हैं। पंजाब वास्तव में स्वास्थ्य एवं पर्यावरण से जुड़ी कई बड़ी समस्याओं का मुख्य केंद्र है-लेकिन आंकड़े साफ़ दर्शाते हैं कि कैंसर उनमें से एक नहीं है।

आप का नजरीया

मृत्यु में गरिमा

किसी भी समाज में यह प्रबल धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की तब तक सेवा की जाए, जब तक उसके प्राण कुदरती तौर पर न निकल जाएं। खासकर भारतीय समाज में इस मुद्दे को लेकर गहरी संवेदनशीलता रही है। कई स्थानों पर तो अपने आत्मीय की मृत्यु के बाद भी उसे वर्षों तक जीवन लौटने की आस में घर पर रखा गया। लेकिन जब कोई अपना प्रिय उस स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौट पाना संभव ही न हो, तो बदलते वक्त के साथ कानून के दायरे में उसकी मुक्ति की भी बात होने लगी है। हाल ही में देश के सुप्रीम कोर्ट का 13 वर्ष से कोमा में रहने वाले एक युवा के लिये निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देने का निर्णय, जीवन के अंतिम चरण की देखभाल पर भारत में विकसित होते न्यायशास्त्र में नया मोड़ है। किसी असाध्य स्थिति में कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की अनुमति देने वाला यह फैसला, अदालत द्वारा पहले से निर्धारित प्रक्रिया का पहला व्यावहारिक प्रयोग है। निस्संदेह,यह मामला उन रोगियों के परिवारों के सामने उपस्थित पीड़ादायक दुविधा को ही उजागर करता है, जिनके ठीक होने की कोई वास्तविक संभावना नहीं होती। जो महज चिकित्सकीय मदद से ही जीवित रहते हैं। इस मामले में चिकित्सा बोर्डों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य नहीं था। इससे केवल जैविक अस्तित्व को ही लंबा खींच दिया गया। बहरहाल, इस बाबत अदालत की स्वीकृति एक कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा, मृत्यु में भी गरिमा तक विस्तारित होनी चाहिए। निस्संदेह, भारत में इच्छामृत्यु पर कानूनी प्रगति धीमी रही है। इस मामले में पहली बार अरुणा शानबाग मामले में ध्यान दिया गया था। वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के मौलिक अधिकार के अंतर्गत गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार देने के साथ यह मुद्दा अपने चरम पर पहुंचा। दरअसल, इच्छामृत्यु से जुड़ी दुविधा, इससे जुड़े सिद्धांतों के क्रियान्वयन की अनिश्चितता को लेकर बनी रही है। जिसके चलते परिवारों व डॉक्टरों को जटिल प्रकिया व कानूनी चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है। निस्संदेह, हालिया फैसले से भी न्यायिक दिशा-निर्देशों मात्र पर निर्भर रहने की सीमाएं उजागर हुई हैं। बल्कि यहां तक कि देश की शीर्ष अदालत ने भी निषक्रिय इच्छामृत्यु, लिविंग विल और जीवन को लेकर अंतिम निर्णय को नियंत्रित करने वाले व्यापक कानून की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। निस्संदेह, ऐसे कानून में नैतिक संवेदनशीलता और प्रक्रियात्मक स्पष्टता के बीच बेहद संतुलन होना चाहिए। यह प्रक्रिया कमजोर रोगियों को दुर्व्यवहार से बचाते हुए, यह भी सुनिश्चित करे कि परिवार और चिकित्सा पेशेवर कानूनी परिणामों के भय के बिना कार्य कर सकें। इस मामले में स्पष्ट प्रोटोकॉल, पारदर्शी चिकित्सा मूल्यांकन और रोगी की स्वायत्तता का सम्मान आवश्यक है। अंतत, निष्कर्ष यह भी है कि जब उपचार असंभव हो तो चिकित्सा उपायों से रोगी की पीड़ा को लंबा नहीं खींचा जाना चाहिए। निस्संदेह, शीर्ष अदालत की कारगर सलाह के मद्देनजर देश के नीति-नियंताओं को एक मानवीय कानूनी ढांचा तैयार करने के बारे में गंभीरता से सोचना चहिए। जो टाली न जा सकने वाली विषम स्थिति में व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने व मरने की अनुमति दे सके। निस्संदेह, देश में इस बाबत एक संवेदनशील कानून बनाने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। साथ ही ऐसा कानून बनाते वक्त मानवीय संवेदनशीलता तथा कानूनी सुरक्षा कवच के बीच संतुलन बनाना भी उतना ही जरूरी होगा। वहीं हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा संकीर्ण लक्ष्यों को पूरा करने के लिये किसी व्यक्ति की दबाव में इच्छामृत्यु के लिये परिस्थितियां पैदा न की जा सकें। दुनिया के तमाम विकसित देशों में इस आशंका के चलते ही इच्छामुत्यु को कानूनी रूप देने से परहेज किया गया है। यह जटिल मामला भी है, जिसके निर्धारण के लिये कानूनी स्पष्टता और मामले की गहन निगरानी भी उतनी ही जरूरी है।

देश के सुप्रीम कोर्ट का 13 वर्ष से कोमा में रहने वाले एक युवा के लिये निषक्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देने का निर्णय, जीवन के अंतिम चरण की देखभाल पर भारत में विकसित होते न्यायशास्त्र में नया मोड़ है। किसी असाध्य स्थिति में कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की अनुमति देने वाला यह फैसला, अदालत द्वारा पहले से निर्धारित प्रक्रिया का पहला व्यावहारिक प्रयोग है। निस्संदेह,यह मामला उन रोगियों के परिवारों के सामने उपस्थित पीड़ादायक दुविधा को ही उजागर करता है, जिनके ठीक होने की कोई वास्तविक संभावना नहीं होती। जो महज चिकित्सकीय मदद से ही जीवित रहते हैं। इस मामले में चिकित्सा बोर्डों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य नहीं था। इससे केवल जैविक अस्तित्व को ही लंबा खींच दिया गया। बहरहाल, इस बाबत अदालत की स्वीकृति एक कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा, मृत्यु में भी गरिमा तक विस्तारित होनी चाहिए। निस्संदेह, भारत में इच्छामृत्यु पर कानूनी प्रगति धीमी रही है। इस मामले में पहली बार अरुणा शानबाग मामले में ध्यान दिया गया था।

दृष्टि कोण

सबको साथ लेकर चलना बंधुता का शाश्वत आधार

मानव सभ्यता का इतिहास गवाह है कि, हमने जब भी प्रगति की है, वह सामूहिक प्रयासों का ही परिणाम रही है। 'सबको साथ लेकर चलना' केवल एक नारा या विचार नहीं है, बल्कि यह वह जीवन-दर्शन है जो वसुधैव कुटुंबकम की भावना को चरितार्थ करता है। समाज रूपी विशाल भवन की मजबूती उसकी हर ईंट के आपसी जुड़ाव पर टिकी होती है। यदि एक भी ईंट कमजोर पड़ जाए या अलग होने की कोशिश करे, तो पूरे ढांचे का अस्तित्व संकट में पड़ जाता है। इसी जुड़ाव का नाम बंधुता है। बंधुता वह अदृश्य धागा है जो विविधताओं से भरे समाज को एक सूत्र में पिरोकर रखता है। सच्ची बंधुता का अर्थ केवल अपने परिचितों या स्वजनों के प्रति प्रेम भाव रखना नहीं है, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी विकास की मुख्यधारा में शामिल करना है। जब हम 'सबको साथ' लेकर चलने की बात करते हैं, तो इसमें समावेशिता का गहरा भाव छिपा होता है। इसका अर्थ है कि प्रगति के पथ पर कोई पीछे न छूटे। अक्सर देखा जाता है कि विकास की दौड़ में कुछ वर्ग बहुत आगे निकल जाते हैं, जबकि कुछ हाशिए पर रह जाते हैं। ऐसी प्रगति स्थाई नहीं हो सकती क्योंकि वह समाज में असंतोष और ईर्ष्या को जन्म देती है। बंधुता का आधार यह सिखाता है कि जो समर्थ हैं, वे अक्षम का हाथ थामें और जो आगे हैं, वे पीछे रह गए लोगों की राह आसान करें। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में तो यह दर्शन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यहाँ धर्म, भाषा, जाति और क्षेत्रीयता की अनगिनत परतें हैं। इन विविधताओं के बीच सामंजस्य बिठाने का एकमात्र तरीका बंधुता ही है। जब हम दूसरों के विचारों,विश्वासों और जीवनशैली का सम्मान करते हैं, तभी हम उन्हें साथ लेकर चलने की दिशा में पहला कदम बढ़ाते हैं। सहिष्णुता बंधुता की पहली सीढ़ी है। यदि हमारे भीतर दूसरों को स्वीकार करने का धैर्य नहीं है, तो 'सबको साथ लेकर चलना' महज एक काल्पनिक विचार बनकर रह जाएगा। परस्पर सम्मान और विश्वास ही वह खाद-पानी है जिससे बंधुता का

वृक्ष फलता-फूलता है। ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो महान सभ्यताओं का पतन तभी हुआ जब उनके भीतर ऊंच-नीच और भेदभाव की खाई चौड़ी हो गई। जब समाज का एक हिस्सा दूसरे हिस्से को अपने से नीचा समझने लगा या उसके अधिकारों का हनन करने लगा, तो बंधुता की नींव दरक गई। इसके विपरीत, जिन समाजों ने 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के मार्ग को चुना,वे आज भी विश्व पटल पर प्रेरणा के केंद्र बने हुए हैं। बंधुता का आधार न्याय और समानता पर टिका होता है। यदि समाज में न्याय नहीं है, तो वहां बंधुता की कल्पना करना व्यर्थ है। सबको साथ लेकर चलने के लिए यह अनिवार्य है कि संसाधनों और अवसरों का वितरण न्यायसंगत हो, ताकि हर व्यक्ति को यह महसूस हो कि वह इस महान सामाजिक यात्रा का एक अभिन्न हिस्सा है। आज के इस आधुनिक और प्रतिस्पर्धी युग में व्यक्तिवाद की भावना प्रबल होती जा रही है। लोग अक्सर अपनी व्यक्तिगत सफलता की अंधी दौड़ में यह भूल जाते हैं कि उनकी सफलता में समाज का भी बड़ा योगदान है। हम अकेले चाहे कितनी भी ऊँची उड़ान भर लें, लेकिन सुरक्षित लैंडिंग के लिए हमें उसी जमीन की जरूरत होती है जहाँ समाज खड़ा है। एक एकाकी व्यक्ति शक्तिशाली हो सकता है, लेकिन एक संगठित समाज अजेय होता है। सबको साथ लेकर चलने की प्रवृत्ति व्यक्ति के भीतर संकुचित मानसिकता को समाप्त कर उसे उदार बनाती है। जब हम दूसरों के दुःख को अपना दुख और दूसरों की सफलता को अपनी खुशी मानने लगते हैं,तभी सही मायनों में बंधुता का जन्म होता है।

2027 में सपा की साइकिल पंचर कर हमारे कार्यकर्ता उन्हें सैफई भेजने का काम करेंगे : केशव प्रसाद मौर्य

भाजपा संविधान की पुजारी और आरक्षण का समर्थक : केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी गंगा पार, जमुना पार एवं महानगर प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में बसंतोत्सव एवं कार्यकर्ता मिलन का आयोजन परेड ग्राउंड में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह भरते हुए होली की शुभकामनाएं दी और ललकारते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं का यह जन सैलाब 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की साइकिल पंचर कर उन्हें सैफई भेजने का काम करेगा और प्रयागराज के सभी 12 सीटों पर प्रचंड बहुमत के साथ कमल खिलाएंगे। उन्होंने कहा सपा मुखिया अखिलेश यादव 2022 की तरह ही मुंगेरीलाल के हसीन सपने देखते रह जाएंगे और भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यकर्ताओं के दम पर 2017 का इतिहास दोहराएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा एलपीजी गैस बुकिंग को लेकर सिर्फ दुष्प्रचार कर रहे हैं और कुछ नहीं। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युद्ध के समय भी ईरान के रास्ते से एलपीजी गैस और क्रूड ऑयल हमारा तिरंगा लहराते हुए बड़े शान से आ रहा है। उन्होंने कहा कि 2025 की लोकसभा चुनाव में दुष्प्रचार फैलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार सत्ता में रोकने के लिए संविधान का सहारा लेकर दुषप्रचार किया और कुछ हद तक वह सफल हो पाए। लेकिन कार्यकर्ताओं की मेहनत से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने और कांग्रेसियों को 100 सीटों का आंकड़ा भी प्राप्त नहीं करने दिया। उन्होंने कहा सपा और कांग्रेस को हम ललकार कर कहते हैं भारतीय जनता पार्टी संविधान की पुजारी है और आरक्षण का समर्थक है। डिप्टी सीएम ने आगे कहा कि जो अधिकारी सपा का एजेंट बनकर संविधान और आरक्षण के खिलाफ काम करेगा तो उसकी जांच बैठाएंगे और उसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त नेतृत्व में भारत विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है। एक ऐसा भारत बन रहा है जो किसी देश को छेड़ता नहीं, लेकिन कोई हमें छेड़ेगा तो हम उसे छोड़ेंगे भी नहीं। और जब जरूरत पड़ेगी तो हम फिर से सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर करने से नहीं चूकेंगे। क्योंकि हमारे लिए देश प्रथम है, बाद में दल है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है देश के गरीबों को अमीर बनना, सशक्त और समृद्धशाली और विकसित भारत बनाना और जब तक गरीबों को हम अमीर नहीं बनाएंगे तब तक भारत विकसित भारत नहीं बन पाएगा। यही कारण है देश प्रदेश की जनता भारतीय जनता पार्टी को चुन रही है। उन्होंने कहा अभी पिछले वर्षों में पांच राज्य के चुनाव हुए जिसमें चार राज्यों में कमल खिला और आगे होने वाले पांच राज्यों के चुनाव में हम सरकार बनाने जा रहे हैं। हम असम में तीसरी बार कमल खिलाने जा रहे हैं। पश्चित बंगाल और तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी बड़ी पार्टी के रूप में उभरने वाली है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने विश्व शांति पर केंद्र सरकार की नीति का समर्थन किया

समालखा (हिंस)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच केंद्र सरकार की नीति का समर्थन करते हुए दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को कहा कि संघ विश्व में शांति का पक्षधर है। उन्होंने कहा कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर संघ कोई विशेष टिप्पणी नहीं करना चाहता। संगठन की स्पष्ट धारणा है कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है। संघ चाहता है कि विश्व में चल रहे संघर्ष जल्द समाप्त हों और शांति की स्थापना हो। उन्होंने कहा कि भारत सरकार भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति स्थापित करने के लिए अपने स्तर पर प्रयास कर रही है और भारत के हित में निर्णय ले रही है। हरियाणा के समालखा में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का समापन रविवार को होने जा रहा है। इस अवसर पर संघ ने अपनी संगठनात्मक संरचना में महत्वपूर्ण परिवर्तन की घोषणा की है। जमीनी स्तर पर कार्य के विस्तार और संगठन को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अब *प्रांत* इकाइयों के स्थान पर *संभाग* इकाइयों का गठन किया जाएगा। वर्तमान में देशभर में 46 प्रांत हैं, जिन्हें पुनर्गठित कर लगभग 80 संभाग बनाए जाएंगे। प्रतिनिधि सभा के इतर आयोजित पत्रकार वार्ता में संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बताया कि संगठनात्मक ढांचे में यह बदलाव कार्य के विकेंद्रीकरण और विस्तार को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि

जिस प्रकार अभी प्रांत स्तर पर प्रचारकों की नियुक्ति होती है, उसी प्रकार अब प्रत्येक संभाग में भी संभाग प्रचारक नियुक्त किए जाएंगे। नई व्यवस्था के अनुसार संघ की संरचना में जिला और विभाग के बाद संभाग इकाई होगी, जबकि उसके ऊपर क्षेत्र तथा अखिल भारतीय स्तर की व्यवस्था पूर्ववत बनी रहेगी। उनका कहना था कि इस परिवर्तन से संगठन की गतिविधियों को स्थानीय स्तर तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में सहायता मिलेगी। पत्रकार वार्ता के दौरान संघ के प्रचार अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर भी उनके साथ मौजूद रहे। विश्व में जारी संघर्षों के विषय में केंद्र सरकार की नीति का समर्थन करते हुए दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि संघ विश्व में शांति का पक्षधर है। उन्होंने कहा कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर संघ कोई विशेष टिप्पणी नहीं करना चाहता।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने *विकसित राजस्थान रन* को दिखाई हरी झंडी

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि नियमित दौड़ लगाना स्वस्थ जीवन का मूल मंत्र है। दिन की शुरुआत दौड़ के साथ करने से पूरे दिन ऊर्जा बनी रहती है, स्वास्थ्य ठीक रहता है और सकारात्मक सोच विकसित होती है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए फिट इंडिया अभियान ने देशवासियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया है। शर्मा ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे स्वस्थ दिनचर्या का पालन करते हुए फिट रहें तथा प्रदेश के विकास में सक्रिय योगदान दें, जिससे प्रदेश नई ऊंचाइयों को छू सके। अगर प्रदेशवासी एक कदम आगे बढ़ेंगे, तो राजस्थान कई गुना आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री शर्मा राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को जयपुर में अमर जवान ज्योति से *विकसित राजस्थान रन-2026* कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशभर में आयोजित *विकसित राजस्थान रन* को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले वर्ष से राजस्थान दिवस को तिथि अनुसार मनाने की नई परंपरा शुरू की है। 30 मार्च 1949 को तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के नेतृत्व में भारतीय नववर्ष की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन रेवती नक्षत्र इंद्र योग में विभिन्न रियासतों को एकत्रित कर वृहद राजस्थान की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा कि गृह नक्षत्र देखकर नए कार्य की शुरुआत करना हमारी संस्कृति में है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष 19 मार्च (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) को राजस्थान दिवस पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *विकसित भारत-2047* विजन के अनुरूप प्रदेश सरकार *विकसित राजस्थान-2047* के विजन पर कार्य कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान के व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने आह्वान किया कि सभी पात्र लोग योजनाओं का लाभ लें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रदेश में बिजली, पानी, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनेक अभूतपूर्व निर्णय लिए हैं। साथ ही, राज्य सरकार किसान, महिला, युवा, मजदूर सहित सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है।

हरियाणा में राज्यसभा चुनाव आज

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में राज्य सभा की दो सीटों के लिए सोमवार को चंडीगढ़ में वोटिंग होगी। मतदान से एक दिन पहले रविवार को भाजपा व कांग्रेस में दिन भर रणनीतिक बैठकें होती रही। भाजपा के सभी विधायक चंडीगढ़ में हैं। कांग्रेस तथा भाजपा द्वारा लगातार विधायकों को वोटिंग की प्रक्रिया समझाते हुए प्रेक्टिस करवाई जा रही है। इस चुनाव में मुख्यमंत्री नायब सैनी की जहां परीक्षा होगी वहीं पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा की प्रतिष्ठा दांव पर है। पिछले दो चुनाव में कांग्रेस के अधिकारिक प्रत्याशी हारते रहे हैं। सभी की नजरें इस बात पर लगी हुई हैं कि इस बार हार की हैट्रिक होगी या फिर भाजपा की पुरानी रणनीति फेल होगी। शनिवार की शाम भाजपा की मॉक वोटिंग में तीन विधायकों के वोट रद्द हुए। जिसे गंभीरता से लेते हुए रविवार को दोबारा वोट डालने की प्रेक्टिस करवाई गई। आज मुख्यमंत्री नायब सैनी तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने पार्टी के सभी विधायकों के साथ बैठक की।

विश्व उपभोक्ता दिवस पर गुणवत्ता युक्त वस्तुएं उपयोग करने की दिलाई शपथ

जयपुर (हिंस)। विश्व उपभोक्ता दिवस के अवसर पर रविवार को उपभोक्ता मामले विभाग की ओर से जयपुर स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में राज्य स्तरीय उपभोक्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय *सुरक्षित उत्पाद-आश्वस्त उपभोक्ता* रखा गया। इस अवसर पर उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि बाजार में नकली ब्रांडों की बिक्री एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। ऐसे में उपभोक्ताओं में जागरूकता फैलाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के दौर में उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत बनाना सरकार की प्राथमिकता है। मंत्री ने बताया कि विभाग द्वारा विभिन्न नवाचारों के माध्यम से उपभोक्ता अदालतों को मजबूत किया जा रहा है। आयोगों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए भर्ती प्रक्रिया को लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के माध्यम से किया गया है। साथ ही सुनवाई की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा भी शुरू की गई है। इसके अलावा उपभोक्ता आयोगों के अध्यक्ष और सदस्यों को अब प्रति वर्ष 15 अवकाश की स्वीकृति दी गई है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री सुमित गोदारा ने उपस्थित प्रतिभागियों को गुणवत्ता युक्त वस्तुओं का उपयोग करने और उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि सरकार उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में राजस्थान को आदर्श राज्य बनाने के लिए

संकल्पित है। साथ ही उपभोक्ता हेल्पलाइन को और अधिक मजबूत करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया जाएगा। सम्मेलन में मंत्री ने गिव अप अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि खाद्य सुरक्षा योजना में अपात्र लोगों के जुड़ने से कई पात्र गरीब वंचित रह गए थे। इस विसंगति को दूर करने के लिए राज्य सरकार ने एक नवंबर 2024 से गिव अप अभियान शुरू किया। करीब 16 महीने चले इस अभियान में 55 लाख लोगों ने स्वेच्छा से खाद्य सब्सिडी छोड़ दी, जबकि 27 लाख लाभार्थियों के नाम ई-केवाईसी नहीं होने के कारण सूची से हट गए। इस तरह करीब 82 लाख पात्र वंचितों के लिए खाद्य सुरक्षा सूची में जगह बनी। इसके बाद खाद्य सुरक्षा पोर्टल दोबारा शुरू होने पर लगभग 77 लाख पात्र लोगों को योजना से जोड़ा गया। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने कहा कि उपभोक्ता को उचित संरक्षण देने के लिए उपभोक्ता अदालतों में न्यायिक प्रक्रिया प्रभावी होना जरूरी है। उन्होंने उपभोक्ता हेल्पलाइन 14435 को मजबूत करने और उसमें कार्यरत कर्मचारियों को बेहतर प्रशिक्षण देने पर भी जोर दिया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि एपी साही ने कहा कि राष्ट्रीय, राज्य और जिला उपभोक्ता आयोगों के लिए उपभोक्ता का हित सर्वोपरि है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिला उपभोक्ता आयोग 50 लाख रुपए तक के मामलों का निस्तारण कर सकता है, जिससे उपभोक्ताओं को त्वरित न्याय मिल रहा है।

बरेली में फिल्म *ना जाने कौन आ गया* की स्पेशल स्क्रीनिंग, मेयर रहे मुख्य अतिथि

बरेली (हिंस)। उत्तर प्रदेश के बरेली शहर के मॉल स्थित आईनॉक्स पीवीआर में रविवार को हिंदी फिल्म *ना जाने कौन आ गया* की स्पेशल स्क्रीनिंग आयोजित की गई। कार्यक्रम में फिल्म से जुड़े कलाकारों, मेकर्स और शहर की कई प्रमुख हस्तियों ने शिरकत की। मुख्य अतिथि बरेली के मेयर डॉ. उमेश गौतम रहे। साथ में सोनल गौतम भी मौजूद रहीं। स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान फिल्म के मुख्य कलाकार जतिन सरना और मधुरिमा रॉय, निर्देशक विकास अरोड़ा और निर्माता पूजा अरोड़ा ने मीडिया और दर्शकों से बातचीत की। बरेली के स्थानीय फिल्ममेकर विकास अरोड़ा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रिश्तों और मानवीय भावनाओं को यथार्थवादी नजरिए से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। मुख्य अतिथि मेयर डॉ. उमेश गौतम ने फिल्म की टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह बरेली के लिए गर्व की बात है कि यहां के युवा फिल्ममेकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। कार्यक्रम के बाद कलाकारों और मेकर्स ने मीडिया से बातचीत करते हुए फिल्म के निर्माण, कहानी और अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में दर्शकों और मीडिया ने कलाकारों के साथ संवाद किया।

ईरान से एलपीजी लेकर भारत आ रहे जहाजों में तैनात है फतेहाबाद जिले के दो युवा

फतेहाबाद (हिंस)। देश में एलपीजी आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के प्रयासों के बीच हरियाणा के फतेहाबाद जिले के दो युवकों का भी महत्वपूर्ण योगदान सामने आया है। जिले के गांव कुम्हारिया और सरवरपुर के दो युवक मर्चेंट नेवी में अधिकारी के रूप में तैनात हैं और वे उन भारतीय जहाजों का हिस्सा हैं जो खाड़ी देशों से एलपीजी लेकर भारत की ओर बढ़ रहे हैं। गांव कुम्हारिया निवासी कृष्ण कुमार मुख्य अधिकारी और गांव सरवरपुर निवासी अनिल सेकेंड अधिकारी के पद पर तैनात है। मिली जानकारी के अनुसार, युद्ध प्रभावित होर्मुज स्ट्रेट से भारतीय ध्वज वाले दो जहाज शिवालिक और नंदा देवी शनिवार सुबह सुरक्षित गुजर गए। इन जहाजों में कुल 92,700 टन एलपीजी लदी हुई है। जहाजरानी मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा के अनुसार ये दोनों जहाज अब गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं।

राजस्थान दिवस पर अलवर में *रन फॉर विकसित राजस्थान*, स्वच्छता और फिटनेस का दिया संदेश

अलवर (हिंस)। अलवर में राजस्थान दिवस समारोह 2026 के तहत रविवार को *रन फॉर विकसित राजस्थान* का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने इसमें भाग लेकर विकसित और स्वच्छ राजस्थान का संदेश दिया। दौड़ की शुरुआत कम्पनी बाग स्थित शहीद स्मारक से हुई, जहां से उपखण्ड अधिकारी माधव भारद्वाज, यूआईटी के उप सचिव जितेन्द्र सिंह नरुका, नगर निगम आयुक्त सोहन सिंह नरुका और नेहरू युवा केंद्र संगठन के डीवाईओ पंकज यादव ने हरी झंडी दिखाकर प्रतिभागियों को रवाना किया। यह दौड़ कम्पनी बाग से शुरू होकर नंगली सर्किल, एसएमडी सर्किल और मोती डूंगरी होते हुए प्रताप ऑडिटोरियम पर संपन्न हुई। इस दौरान प्रतिभागियों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान नगर निगम अलवर ने *आरआरआर* (रीड्यूस, रीयूज, रीसाइकिल) थीम पर तीन विशेष वाहिनियों को भी रवाना किया। इन वाहिनियों के माध्यम से शहरवासियों से अनुपयोगी सामग्री एकत्र कर उसे उपयोगी बनाकर जरूरतमंदों को उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर गीला और सूखा कचरा पृथक्करण का डेमो, स्वच्छता स्टॉल, रंगोली और सेल्फी बूथ भी आकर्षण का केंद्र रहे। उपखण्ड अधिकारी माधव भारद्वाज ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को स्वस्थ जीवनशैली और स्वच्छता के प्रति जागरूक कर विकसित राजस्थान के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है।

227 युवतियों के गुमशुदगी मामलों के बीच नहर में मिला शव बना चुनौती

यमुनानगर (हिंस)। यमुनानगर जिले के बुडिया थाना क्षेत्र में फतेहपुर पुल के पास पश्चिमी यमुना नहर से बरामद महिला के शव के मामले में हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस की जांच और जटिल हो गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या किए जाने की बात सामने आई हैं। घटना के करीब दस दिन बीत जाने के बाद भी मृतका की पहचान नहीं हो सकी है, जिससे मामले की गुत्थी सुलझाना पुलिस के लिए चुनौती बन गया है। पुलिस के अनुसार पांच मार्च की सुबह एक स्थानीय व्यक्ति ने फतेहपुर पुल के समीप नहर में महिला का शव दिखाई देने की सूचना दी थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नहर से बाहर निकाला। प्रारंभिक स्तर पर आसपास के लोगों से पहचान कराने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका। पुलिस के अनुसार मृतका की उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष के बीच आंकी जा रही है। उसने सफेद कमीज, गुलाबी टॉप और काली जींस पहन रखी थी। घटनास्थल से एक मोबाइल फोन, तंबाकू की पुड़िया और माचिस भी बरामद की गई है। पहचान से जुड़े कुछ अहम संकेत भी सामने आए हैं। महिला के बाएं हाथ पर *राजेश* और दाएं हाथ पर *दिव्या* नाम गुदा हुआ मिला है। पुलिस इन निशानों के आधार पर उसकी पहचान स्थापित करने का प्रयास कर रही है। नौ मार्च को डॉक्टरों के बोर्ड से कराए गए पोस्टमार्टम में महिला के शरीर पर एक दर्जन से अधिक चोटों के निशान पाए गए। साथ ही हायॉइड बोन टूटने और गर्दन पर लिगेचर मार्क मिलने से गला दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है। जांच इसलिए भी कठिन हो गई है क्योंकि आसपास के जिलों में बड़ी संख्या में युवतियों के लापता होने के मामले दर्ज हैं। एक फरवरी से पांच मार्च के बीच यमुनानगर, अंबाला, कुरुक्षेत्र और करनाल में कुल 227 युवतियों की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज हुई है।

राजस्थान के 10 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

जयपुर (हिंस)। उत्तर भारत में सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने 15 मार्च को प्रदेश के 10 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। नए सिस्टम के प्रभाव से शनिवार देर रात जयपुर सहित कई जिलों में हल्की बरसात हुई। मौसम विभाग ने 18 मार्च को फिर से बारिश और कहीं-कहीं ओले गिरने की संभावना जताई है। शनिवार देर रात जयपुर, टोंक, अजमेर और दौसा सहित कई जिलों में तेज हवा के साथ हल्की बारिश हुई। मौसम में आए इस बदलाव से तापमान में गिरावट हुई और लोगों को तेज गर्मी से राहत मिली। प्रदेश के अन्य इलाकों में भी धूलभरी हवा और बादलों के कारण मौसम का मिजाज बदला रहा। दिनभर धूप कमजोर रही और हल्की हवा चलने से तापमान में कमी आ गई। शनिवार को कोटा, जोधपुर, जयपुर समेत कई जिलों के अधिकतम तापमान में करीब तीन डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ गई।

भिक्षु बनकर हंसना संतों से सीखें : राजन जी महाराज

सीवान (हिंस)। सीवान नगर के वीएमएचई इंटर कॉलेज के प्रांगण में आयोजित श्रीराम कथा के सातवें दिन अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक राजन जी महाराज ने केवट प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान उन्होंने जीवन में संतोष, भक्ति और सेवा की महत्ता पर प्रकाश डाला। मधुर भजनों और स्वरलहरियों के बीच *करूणानिधान रउआ जगत के दाता हईं* भजन पर श्रद्धालु झूम उठे और पूरा वातावरण भक्ति रस में सराबोर हो गया। राजन जी महाराज ने कहा कि संसार में बहुत लोग धन-संपत्ति पाकर मुस्कुराते हैं, लेकिन सच्चा आनंद तो संतों से सीखने को मिलता है, जो भिक्षु बनकर भी प्रसन्न रहते हैं। उन्होंने बताया कि भिक्षु और भिखारी में बड़ा अंतर होता है। भिक्षु संतोष और आत्मिक आनंद से भरपूर होता है, जबकि भिखारी अभाव और अपेक्षाओं से ग्रस्त रहता है। कथा की शुरुआत मुख्य यजमान सुभाष प्रसाद, धर्मशिला देवी तथा सह यजमान रूपेश कुमार, नेहा गुप्ता सहित अन्य दैनिक

यजमानों द्वारा श्रीरामचरितमानस की आरती के साथ हुई। इंजीनियर अशोक कुमार पांडेय, अनीता पांडेय, राजीव चौबे, पुष्पा चौबे, वैभव कुमार, प्रीति चौरसिया और कन्हैया सहित कई श्रद्धालुओं ने यजमान के रूप में भाग लिया। राजन जी ने कहा कि जीवन में आनंद बनाए रखने के लिए अयोध्याकांड की प्रथम आठ चौपाइयों का नियमित पाठ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुख केवल धन से नहीं मिलता, बल्कि संतोष से प्राप्त होता है। मनुष्य को हर परिस्थिति में संतुष्ट रहना चाहिए और निरंतर राम नाम का स्मरण करते हुए अपने कर्म करते रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि अयोध्या में जब राजा दशरथ श्रीराम के राज्याभिषेक की तैयारी करते हैं, तब मंथरा की सलाह पर माता कैकेयी श्रीराम के वनवास और भरत के राज्याभिषेक का वर मांग लेती हैं। राजन जी ने कहा कि इसमें कैकेयी का दोष नहीं था, बल्कि यह सब प्रभु की लीला थी। वनगमन के दौरान श्रीराम की निषादराज से मित्रता और गंगा पार करते समय केवट की निष्कपट भक्ति का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने कहा कि मित्र, गुरु, स्वामी और बहन के यहां कभी खाली हाथ नहीं जाना चाहिए। केवट की विनम्र भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान श्रीराम ने उसे अपने चरण धोने की अनुमति दी। इस प्रसंग को सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कथा के दौरान महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, विद्याभारती के प्रदेश सचिव रामलाल सिंह, विभाग निरीक्षक अनिल कुमार राम, राजेश रंजन, कृष्ण प्रसाद, ललित राय, प्रधानाचार्य डॉ. कुमार विजय रंजन, कमलेश सिंह, भाजपा नेता मुकेश कुमार बंटी, वीएमएचई के प्रधानाचार्य राकेश कुमार सिंह तथा शिक्षाविद पुष्पेंद्र पाठक सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आगंतुक अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. राजन कल्याण सिंह, स्वागताध्यक्ष डॉ. शरद चौधरी, संयोजक डॉ. रूपेश कुमार, कोषाध्यक्ष प्रेमशंकर सिंह और सदस्य दीपक कुमार सिंह ने किया।

रक्सौल में मारवाड़ी समाज ने किया गणगौर के सिंजारा का आयोजन

पूर्वी चंपारण (हिंस)। जिले के रक्सौल शहर के बैंक रोड स्थित श्रीसत्यनारायण मारवाड़ी पंचायती मंदिर परिसर में श्रीसत्यनारायण मारवाड़ी पंचायती मंदिर ट्रस्ट एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, शाखा रक्सौल के संयुक्त तत्वावधान में गणगौर का सिंजारा समारोह हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सम्मेलन की प्रांतीय बाल विकास प्रमुख वीणा गोयल, अध्यक्षा सोनू काबरा ने संयुक्त रूप से बताया कि गणगौर राजस्थान का आस्था और भक्ति से ओतप्रोत एक प्रमुख लोकपर्व है, जिसे चैत्र मास में पूरे विधि-विधान के साथ मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि गणगौर शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है- गण अर्थात भगवान शिव और गौर अर्थात माता पार्वती। उन्होंने बताया कि इस पूजा में 16 अंकों का विशेष महत्व है, क्योंकि यह पर्व लगातार 16 दिनों तक मनाया जाता है। इस दौरान महिलाएं मंगल गीत गाते हुए काजल, रोली, मेंहदी और बिंदी के साथ सोलह श्रृंगार में सुसज्जित होकर पूजा-अर्चना करती हैं। गणगौर पूजा में अर्पित किए जाने वाले फल और सुहाग के सामानों की संख्या भी सोलह ही होती है। सुहागन महिलाएं ईशरजी (भगवान शिव) और गौरा माता (पार्वती) की पार्थिव मूर्तियां स्थापित कर उनकी पूजा कर अपने पति की लंबी आयु और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। चैत्र शुक्ल पक्ष की तृतीया को मुख्य पूजा के बाद संध्या

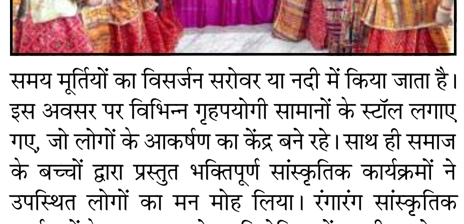

समय मूर्तियों का विसर्जन सरोवर या नदी में किया जाता है। इस अवसर पर विभिन्न गृहपयोगी सामानों के स्टॉल लगाए गए, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहे। साथ ही समाज के बच्चों द्वारा प्रस्तुत भक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, रक्सौल शाखा की अध्यक्षा सोनू काबरा, प्रांतीय बाल विकास प्रमुख वीणा गोयल, आभा केशान,संगीता अग्रवाल, संगीता रुंगटा, अनुराधा शर्मा, बबीता रुंगटा, बबली अग्रवाल, मधु अग्रवाल, मीना भरतिया, खुशबू भरतिया, शिल्पा भारतीय, सुमन अग्रवाल, सुशीला अग्रवाल, रचना रुंगटा, सुनीत शाह, शिप्रा अग्रवाल, ज्योति शर्मा, सरिता शर्मा, सारिका अग्रवाल एवं नीलम खेतान समेत सम्मेलन की कई सदस्याएं उपस्थित रहीं।

इलेक्ट्रिक दो पहिया वाहन पर 31 तक ही मिलेगा सरकारी इंसेंटिव

नई दिल्ली

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग के पीछे सरकार की प्रोत्साहन नीतियां और सब्सिडी बड़ी वजह मानी जा रही हैं, जिसके चलते अब कई ग्राहक पारंपरिक पेट्रोल वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर खरीदने वाले ग्राहकों के लिए मौजूदा समय काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि इन वाहनों पर मिलने वाला डिमांड इंसेंटिव केवल 31 मार्च 2026 तक ही उपलब्ध रहेगा। इसके बाद यह सब्सिडी समाप्त हो जाएगी। हालांकि केंद्र सरकार की इलेक्ट्रिक वाहन योजना पीएम ई-ड्राइव स्कीम 31 मार्च 2028 तक लागू रहेगी, लेकिन दो और तीन पहिया इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मौजूदा प्रोत्साहन सीमित अवधि के लिए ही है। ऐसे में जो लोग इलेक्ट्रिक स्कूटर या बाइक खरीदने की योजना बना रहे हैं, उनके लिए अभी खरीदारी करना अधिक लाभदायक हो सकता है। यह योजना 1 अक्टूबर 2024 से शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देना और स्वच्छ परिवहन को प्रोत्साहित करना है। इसके तहत इलेक्ट्रिक दोपहिया, तीनपहिया, ई-एम्बुलेंस और इलेक्ट्रिक ट्रकों के उपयोग को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

योजना के अंतर्गत सरकार सीधे आर्थिक प्रोत्साहन भी प्रदान कर रही है। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर पर बैटरी क्षमता के आधार पर इंसेंटिव दिया जाता है। वित्त वर्ष 2024-25 में यह प्रोत्साहन प्रति किलोवाट-घंटा 5,000 रुपये तक था, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में यह घटकर 2,500 रुपये प्रति किलोवाट-घंटा रह जाएगा। इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल को आसान बनाने के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर भी जोर दिया जा रहा है। देशभर में हजारों सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना बनाई गई है, जिसके लिए लगभग 2,000 करोड़ रुपये की सहायता निर्धारित की गई है। इसके अलावा कई कंपनियां ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटर पर अतिरिक्त छूट और विशेष आफर भी दे रही हैं। बता दें कि भारत में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का बाजार तेजी से बढ़ रहा है और इस क्षेत्र में लगातार नई कंपनियां भी प्रवेश कर रही हैं। हालांकि बिक्री के मामले में अभी भी कुछ बड़ी कंपनियों का दबदबा बना हुआ है, लेकिन छोटे ब्रांड भी अपनी पहचान बनाने में जुटे हैं।

न्यूज ब्रीफ

आयकर विभाग ने महत्वपूर्ण लेनदेन ईमेल को नजरअंदाज करने को कहा, गलती स्वीकार की

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने शनिवार को करदाताओं से आकलन वर्ष 2026-27 के अग्रिम कर ई-अभियान के तहत भेजे गए महत्वपूर्ण लेनदेन जुड़ी त्रुटिपूर्ण ईमेल को नजरअंदाज करने की अपील की है। विभाग ने स्वीकार किया है कि इन संचारों में गलत जानकारी शामिल थी, जिसकी रिपोर्ट करदाताओं ने की थी। यह त्रुटि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए भेजे गए ईमेल में पाई गई है। विभाग ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि उसे करदाताओं से गलत जानकारी वाले ईमेल मिलने की शिकायतें मिली हैं। विभाग ने इस मुद्दे को ध्यान में लाने के लिए करदाताओं का धन्यवाद किया और हुई असुविधा के लिए माफी मांगी। अधिकारियों ने बताया कि संचार प्रणाली के लिए जिम्मेदार सेवा प्रदाता के समन्वय से इस मामले को सुलझाया जा रहा है। विभाग ने कहा, हम अपने सेवा प्रदाता के समन्वय से इस मामले को सक्रिय रूप से हल करने के लिए काम कर रहे हैं।' विभाग ने आगे कहा, इस बीच, करदाताओं से अनुरोध है कि वे आकलन वर्ष 2026-27 के अग्रिम कर ई-अभियान से संबंधित पहले के ईमेल संचार को नजरअंदाज करें।' आयकर विभाग ने स्पष्ट किया कि ऐसे संचार करदाताओं के लिए अनुपालन पोर्टल पर उपलब्ध वित्तीय जानकारी की समीक्षा करने और आवश्यक होने पर उचित अग्रिम कर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सुविधा प्रदान करने वाले अनुस्मारक के रूप में होते हैं। करदाताओं को सलाह दी गई है कि वे आयकर ई-फाइलिंग पोर्टल के माध्यम से अनुपालन पोर्टल पर ई-अभियान' टैब के माध्यम से अपने लेनदेन विवरण को सत्यापित करें। विभाग ने इस मुद्दे के समाधान के दौरान करदाताओं से समझ और सहयोग का भी आग्रह किया। गलती से भेजे गए ईमेल का कारण और समाधान आयकर विभाग ने स्वीकार किया है कि अग्रिम कर ई-अभियान के तहत भेजे गए कुछ ईमेल में महत्वपूर्ण लेनदेन से संबंधित गलत विवरण थे। यह समस्या आकलन वर्ष 2026-27 (वित्तीय वर्ष 2025-26) के लिए भेजे गए ईमेल में सामने आई है।

एअर इंडिया-इंडिगो के बाद अकासा की भी टिकटें महंगी

नई दिल्ली। एअर इंडिया-इंडिगो के बाद अब अकासा एयर की फ्लाइट्स भी महंगी हो जाएंगी। एयरलाइन कंपनी ने रविवार से सभी घरेलू और इंटरनेशनल फ्लाइट्स पर फ्यूल सरचार्ज लगाने की घोषणा की है। अकासा एयर ने कहा कि 199 रुपए से लेकर 1,300 रुपए तक का एडिशनल सरचार्ज वसूला जाएगा। मिडिल ईस्ट तनाव और अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग की वजह से जेट फ्यूल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के कारण यह कदम उठाना पड़ रहा है। आपको अतिरिक्त पैसा नहीं देना होगा। यह सरचार्ज पर सेक्टर यानी एक तरफ की यात्रा के हिसाब से लगेगा और इसकी राशि फ्लाइट की दूरी (फ्लाइट ड्यूरेशन) पर निर्भर करेगी। इंडिगो-एअर इंडिया भी बढ़ा चुकी हैं किराया इंडिगो: फ्यूल की बढ़ती कीमतों के बोझ को कम करने के लिए देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने शुक्रवार को सरचार्ज बढ़ा दिया था।

शेरेटन ग्रैंड पैलेस इंदौर में गलियों का स्वाद : अब एक ही छत के नीचे मिलेगा भारत के मशहूर स्ट्रीट फूड का जायका

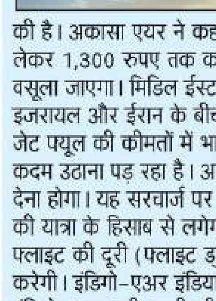

इंदौर। भारत की जीवंत और चटपटी स्ट्रीट फूड संस्कृति को लक्जरी के साथ परोसने के लिए शेरेटन ग्रैंड पैलेस इंदौर ने एक खास पहल की है। होटल के मशहूर रेस्तरां एस कैफे में मार्च के हर वीकेंड पर गलियों का स्वाद स्ट्रीट फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है, जहाँ मेहमान देश के अलग-अलग कोनों के लोकप्रिय व्यंजनों का लुत्फ उठा रहे हैं। होटल के शेफ पंकज राणा ने बताया कि इस फेस्टिवल का मुख्य आकर्षण लाइव काउंटर हैं, जहाँ मेहमानों की आँखों के सामने ताजा व्यंजन तैयार किए जा रहे हैं। मेन्यू में दिल्ली की मशहूर आलू टिक्की और छोले कुलचे, मुंबई का सिग्नेचर वड़ा पाव और पाव भाजी के साथ-साथ पानी पुरी, पापड़ी चाट और दही भल्ला जैसे सदाबहार व्यंजन शामिल हैं। इस उत्सव का समापन पारंपरिक भारतीय मिठाइयों के मधुर अनुभव के साथ किया जा रहा है। स्वाद के साथ संस्कृति का अनुभव शेरेटन ग्रैंड पैलेस इंदौर के डायरेक्टर आफ एफएंडबी गुरुप्रीत सिंह सोढ़ी ने कहा, भारत की स्ट्रीट फूड संस्कृति अत्यंत समृद्ध है। गलियों का स्वाद के माध्यम से हमारा उद्देश्य मेहमानों को सड़कों की उस हलचल और जायके का अनुभव एक सुरक्षित और आरामदायक माहौल में देना है। हम चाहते हैं कि हर वीकेंड हमारे मेहमानों के लिए एक यादगार उत्सव बन जाए। वीकेंड के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन यह फूड फेस्टिवल केवल खाने तक सीमित नहीं है।

इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर सेगमेंट में टाटा मोटर्स का दबदबा

नई दिल्ली

भारत में इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर सेगमेंट में टाटा मोटर्स का फिलहाल मजबूत दबदबा बना हुआ है। टाटा मोटर्स के पास करीब 40 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। कंपनी की सफलता के पीछे उसका बड़ा इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो भी प्रमुख कारण है, जिसमें नेक्सन ईवी, पंच ईवी, टियागो ईवी, टिगोर ईवी, कर्व ईवी और हैरियर ईवी जैसे माडल शामिल हैं।

हालांकि देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार अभी भी टाटा के पास नहीं है। टाटा की टियागो ईवी की शुरुआती कीमत 7.99 लाख रुपये है, जबकि एमजी कामेट ईवी की कीमत 7.35 लाख रुपये से शुरू होती है।टाटा मोटर्स में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल्स के प्रोडक्ट लाइन हेड आनंद कुलकर्णी का कहना है कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहन अब कीमत के लिहाज से एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच रहे हैं। कुछ माडल ऐसे हैं जो इंटरनल कम्बशन इंजन (आईसीई) कारों के करीब कीमत पर उपलब्ध होने लगे हैं। उन्होंने बताया कि बैटरी तकनीक में तेजी से सुधार हो रहा है, जिससे ज्यादा एनर्जी-डेंस बैटरी, तेज चार्जिंग और बेहतर सुरक्षा संभव हो पाई है। कुलकर्णी के अनुसार मोटर, इन्वर्टर, आनबोर्ड चार्जर और पावर इलेक्ट्रानिक्स जैसे कंपोनेंट्स का बेहतर इंटीग्रेशन वाहन का वजन कम कर रहा है और पैकेजिंग एफिशिएंसी बढ़ा रहा है। पहले ये सभी अलग-अलग यूनिट्स हुआ करते थे, बाद में इन्हें 3-इन-1 सिस्टम में बदला गया और अब इंटीग्रेशन और उन्नत स्तर पर पहुंच रहा है। इससे बचने वाला वजन बैटरी क्षमता बढ़ाने में उपयोग किया जा सकता है, जिससे बिना बड़े बदलाव के वाहन की रेंज बेहतर हो सकती है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर बैटरी कीमतों में नरमी और तकनीकी सुधार के कारण कई मामलों में इलेक्ट्रिक कारें आईसीई वाहनों की कीमत के करीब 10 प्रतिशत के भीतर पहुंच चुकी हैं। भारत में 10 लाख रुपये से कम का सेगमेंट सबसे बड़ा बाजार माना जाता है और टाटा की रणनीति का मुख्य फोकस भी यही है। कंपनी ने हाल ही में पंच ईवी को बैटरी-एज-ए-सर्विस विकल्प के साथ पेश किया है, जिससे इसकी शुरुआती कीमत 6.94 लाख रुपये तक लाई गई है।

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री 1,11,680 यूनिट तक पहुंची

नई दिल्ली । बीते महीने फरवरी 2026 के दौरान देश में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री 1,11,680 यूनिट तक पहुंच गई। पिछले साल फरवरी 2025 में दर्ज 76,720 यूनिट्स की तुलना में लगभग 46 प्रतिशत अधिक है। यह मौजूदा वित्तीय वर्ष में अक्टूबर 2025 के बाद दूसरी सबसे ज्यादा मासिक बिक्री मानी जा रही है। इन आंकड़ों के साथ वित्तीय वर्ष 2026 के पहले 11 महीनों में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की कुल बिक्री 12,09,542 यूनिट्स तक पहुंच गई है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब 19 प्रतिशत अधिक है। इस तरह यह आंकड़ा वित्तीय वर्ष 2025 के पूरे साल के रिकार्ड 11,50,767 यूनिट्स को भी पार कर चुका है। यदि मार्च 2026 में इस सेगमेंट की बिक्री 1.40 लाख यूनिट से ज्यादा रहती है, तो वित्तीय वर्ष 2026 के अंत तक कुल बिक्री 13.5 लाख यूनिट तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। बिक्री के मामले में फरवरी 2026 में टीवीएस मोटर कंपनी ने एक बार फिर बाजार में अपना दबदबा बनाए रखा। कंपनी ने पिछले महीने 31,600 इलेक्ट्रिक स्कूटर की रिटेल बिक्री की, जो फरवरी 2025 की 18,955 यूनिट्स की तुलना में 67 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही कंपनी को करीब 28 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी मिली। टीवीएस के पोर्टफोलियो में फिलहाल आईक्यूब और आर्बिटर जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटर शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2026 के पहले 11 महीनों में कंपनी की कुल बिक्री 2,90,746 यूनिट्स तक पहुंच चुकी है और अनुमान है कि यह साल के अंत तक 3.25 लाख यूनिट्स का नया रिकार्ड बना सकती है।

टी 30 इलेक्ट्रिक बाइक की ग्राहक डिलीवरी शुरू

नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक बाइक निर्माता कंपनी राप्टी.एचवी ने अपनी हाई-वोल्टेज टेक्नोलाजी पर आधारित टी 30 इलेक्ट्रिक बाइक की ग्राहक डिलीवरी शुरू कर दी है। इस मोटरसाइकिल की एक्स-शोरूम कीमत 2.39 लाख रुपये रखी गई है। कंपनी इसके साथ 8 साल की बैटरी वारंटी और 3 साल की वाहन वारंटी दे रही है।

यह कदम कंपनी के सात वर्षों से अधिक समय तक चले शोध और इंजीनियरिंग के बाद प्रोडक्ट डेवलपमेंट से व्यावसायिक स्तर पर पहुंचने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। ग्राहकों को बेहतर अनुभव देने के लिए सर्विस सपोर्ट, डेडिकेटेड सर्विस प्वाइंट आफ कान्टैक्ट और रोडसाइड असिस्टेंस जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। कंपनी की टी 30 इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल ने हाल ही में 19 दिनों में देशभर में 7,530 किलोमीटर की लंबी यात्रा पूरी कर एक नया रिकार्ड बनाया है। इस उपलब्धि के साथ इसका नाम एशिया बुक आफ रिकार्ड्स और इंडिया बुक आफ रिकार्ड्स में दर्ज किया गया है। भारत में किसी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल द्वारा इतनी लंबी दूरी तय करने का यह पहला मामला बताया जा रहा है। इस राइड के दौरान सीसीएस2 डीसी फास्ट चार्जिंग तकनीक का उपयोग किया गया, जिससे देशभर में मौजूद 40,000 से अधिक पब्लिक डीसी फास्ट चार्जर का लाभ लिया जा सका। इस चुनौतीपूर्ण यात्रा को राइडर बाला मणिकंदन ने पूरा किया, जिन्होंने औसतन प्रतिदिन 407 किलोमीटर की दूरी तय की। मोटरसाइकिल को फास्ट चार्जिंग स्टेशन पर लगभग 30 मिनट में चार्ज किया जा सका, जबकि एसी चार्जिंग पर 80 प्रतिशत चार्ज होने में करीब एक घंटा लगा। पूरी यात्रा के दौरान बार-बार फास्ट चार्जिंग के बावजूद बैटरी की सेहत 100 प्रतिशत बनी रही। राप्टी.एचवी के सीईओ और सह-संस्थापक दिनेश अर्जुन के अनुसार, टी 30 को सात वर्षों की मेहनत से विकसित किया गया है और इसमें हार्डवेयर व साफ्टवेयर दोनों का नियंत्रण कंपनी के पास है।

कार एक्सपो के दौरान कस्टम वाहनों को देख रहे लोग

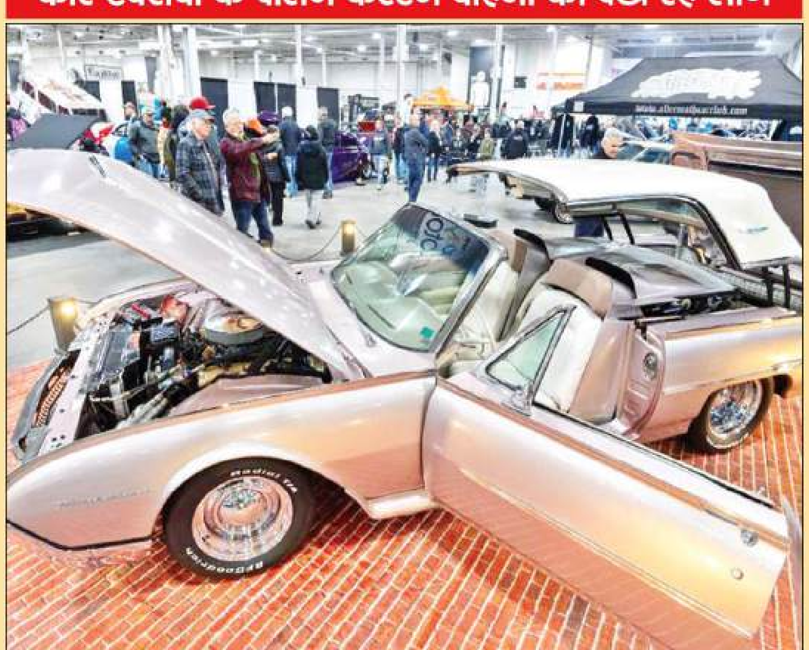

कनाडा के ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र में स्थित मिसिसागा में, एक कार एक्सपो के दौरान कस्टम वाहनों को देख रहे लोग। यह तीन-दिवसीय कार्यक्रम शुक्रवार को यहाँ शुरू हुआ, जिसमें 400 से अधिक कस्टम वाहनों को प्रदर्शित किया गया।

उद्योगों को बड़ी राहत : सरकार ने बदले कैप्टिव पावर जनरेशन के नियम, ईज आफ डूइंग बिजनेस को मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली

भारत के ऊर्जा क्षेत्र और औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा नीतिगत कदम उठाया है। इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) रूल्स, 2026 को अधिसूचित करते हुए ऊर्जा मंत्रालय ने कैप्टिव पावर जनरेशन के नियमों में अहम बदलाव किए हैं। हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार किए गए इन संशोधनों का मुख्य उद्देश्य उद्योगों के लिए नियामक अस्पष्टता को खत्म करना और भारत के ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्यों को हासिल करना है। नए नियमों के तहत कैप्टिव पावर प्लांट्स के स्वामित्व की परिभाषा को स्पष्ट किया गया है। अब इसमें उस इकाई की सहायक कंपनियों, होल्डिंग कंपनियों और होल्डिंग कंपनी की अन्य सहायक कंपनियों को भी शामिल किया गया है, जो कैप्टिव जनरेटिंग प्लांट स्थापित करती हैं। यह स्पष्टीकरण आधुनिक कार्पोरेट संरचनाओं को मान्यता देता है, जहां बिजली संपत्तियों को अक्सर समूह संस्थाओं या स्पेशल पर्पस व्हीकल के माध्यम से विकसित किया जाता है। इस नीतिगत बदलाव से यह सुनिश्चित होगा कि कारपोरेट समूहों के वैध कैप्टिव निवेश को केवल उनकी संगठनात्मक संरचना के कारण कैप्टिव दर्जे से वंचित न किया जाए। इसके अलावा, नियमों के अनुपालन को आसान बनाने के लिए कई प्रावधानों को सरल किया गया है। कैप्टिव पावर जेनरेशन का मतलब है किसी उद्योग या व्यावसायिक प्रतिष्ठान द्वारा अपनी बिजली की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वयं का बिजली संयंत्र स्थापित करना। यह बिजली ग्रिड से खरीदने के बजाय, साइट पर ही (कोयला, गैस, या नवीकरणीय ऊर्जा से) पैदा की जाती है, जो निरंतर और सस्ती बिजली सुनिश्चित करती है। सरचार्ज और सत्यापन से जुड़ी बड़ी राहत उद्योगों के लिए अनुपालन और वित्तीय मोर्चे पर भी महत्वपूर्ण नियम तय किए गए हैं शुल्क से बचाव: एक नया प्रावधान जोड़ा गया है जिससे कैप्टिव स्थिति के सत्यापन के दौरान डिस्ट्रीब्यूशन लाइसेंसधारियों द्वारा उपभोक्ताओं पर शुल्क लगाने से बचा जा सकेगा।

बाजार में गिरावट से घबराएं नहीं, जारी रखें एसआईपी निवेश: विशेषज्ञ

गिरते बाजार में एसआईपी बंद करना नहीं बल्कि जारी रखना निवेशकों के लिए फायदेमंद

नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच भारतीय शेयर बाजार में भी लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स करीब 1.93 प्रतिशत गिरकर 74,563.92 पर बंद हुआ, जिसमें 1,470.50 अंकों की गिरावट दर्ज की गई। ऐसे समय में निवेशकों के मन में सवाल उठता है कि क्या एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) जारी रखनी चाहिए या इसे रोक देना बेहतर है। निवेश विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार गिरावट में घबराकर लिए गए फैसले अक्सर सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। एक बाजार निवेश विशेषज्ञ के अनुसार जब बाजार में तेज गिरावट आती है, तो कई निवेशक घबरा जाते हैं। वे या तो अपने निवेश बेच देते हैं या एसआईपी बंद कर देते हैं। उनका कहना है कि यह गलत निर्णय है। गिरते बाजार में वही एसआईपी राशि ज्यादा यूनिट खरीदती है, और जब बाजार सुधरता है, तो निवेशकों को इसका फायदा होता है। उनके मुताबिक एसआईपी की सबसे बड़ी ताकत रुपया लागत औसत है। बाजार निवेशक बताते हैं कि जब कोई निवेशक हर महीने तय राशि निवेश करता है, तो वह बाजार के अलग-अलग स्तरों पर निवेश करता है। कीमतें कम होने पर ज्यादा यूनिट और कीमतें ज्यादा होने पर

कम यूनिट मिलती हैं, जिससे समय के साथ निवेश की औसत लागत कम होती है। उनका मानना है कि एसआईपी का उद्देश्य बाजार का समय तय करने की कोशिश न करना और नियमित निवेश करना है। बाजार निवेशकों के अनुसार बाजार गिरावट के समय निवेशकों की कुछ आम गलतियां सामने आती हैं। सबसे बड़ी गलती है घबराकर निवेश बेच देना। जब निवेश की कीमत अचानक गिरती है तो कई निवेशक डरकर नुकसान में ही निवेश बेच देते हैं। दूसरी गलती है एसआईपी बंद कर देना। इससे निवेशक कम कीमत पर निवेश करने का मौका खो देते हैं। तीसरी गलती है एक साथ बड़ी रकम निवेश करना। कई निवेशक गिरते बाजार को देखकर अचानक बड़ी रकम लगा देते हैं। लेकिन बाजार कब तक नीचे रहेगा और कब सुधरेगा, यह तय नहीं होता। मोहित गांग के अनुसार गिरावट के समय अतिरिक्त निवेश करना चाहिए लेकिन वह पोर्टफोलियो के एक सीमित हिस्से तक ही होना चाहिए। पंकज मठपाल भी कहते हैं कि डर के कारण निवेशक एसआईपी बंद कर देते हैं या इक्विटी से पैसा निकालकर दूसरी एसेट क्लास में चले जाते हैं। यह व्यवहारिक गलती है। बाजार में उतार-चढ़ाव के समय पोर्टफोलियो की समीक्षा जरूरी है। लार्ज कैप और मिड कैप फंड में निवेश बढ़ाना बेहतर है, जबकि स्माल कैप फंड में गिरावट तेज होती है। इसके अलावा 10-15 फीसदी निवेश सोना या चांदी में रखना आर्थिक संकट के समय सुरक्षा कवच का काम करता है। यदि निवेशक के पास अतिरिक्त बचत और सुरक्षित आपातकालीन फंड है, तो गिरते बाजार में एसआईपी बढ़ाना लंबे समय में लाभदायक हो सकता है। निवेशक अस्थायी रूप से एसआईपी राशि बढ़ा सकते हैं, ताकि गिरते बाजार में अधिक यूनिट खरीद सकें। कई नए निवेशक सही समय का इंतजार करते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सबसे बड़ी गलती है। एसआईपी का मकसद नियमित निवेश है, इसलिए नए निवेशकों को इंतजार किए बिना निवेश शुरू कर देना चाहिए। 2008 के वित्तीय संकट और कोविड-19 के दौरान बाजार में भारी गिरावट आई थी, लेकिन समय के साथ बाजार ने मजबूत वापसी की। बाजार का समय तय करने की कोशिश न करें।

एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 5 महान बल्लेबाज, ब्रैडमैन का रिकार्ड आज भी अटूट

नई दिल्ली

क्रिकेट इतिहास में कई ऐसे रिकार्ड बने हैं जिन्हें तोड़ना आज भी लगभग असंभव माना जाता है। खासकर टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजों द्वारा एक ही सीरीज में बनाए गए विशाल स्कोर आज भी क्रिकेट प्रेमियों को हैरान कर देते हैं। टेस्ट क्रिकेट के करीब 149 साल के इतिहास में केवल दो बल्लेबाज ही ऐसे हुए हैं जिन्होंने एक ही सीरीज में 900 से ज्यादा रन बनाए। कई दिग्गज खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन कुछ पारियां ऐसी रहीं जो रिकार्ड बुक में हमेशा के लिए दर्ज हो गई। इस सूची में सबसे ऊपर नाम आता है आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डान ब्रेडमैन का। उन्होंने 1930 की दा एशेज सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ ऐसा प्रदर्शन किया जिसे आज भी क्रिकेट का चमत्कार कहा जाता है। ब्रैडमैन ने पांच मैचों की उस सीरीज में 139.14 की औसत से 974 रन बनाए थे, जो एक टेस्ट सीरीज में किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं। इस ऐतिहासिक सीरीज में उन्होंने 334 रन की तिहरी पारी के साथ दो दोहरे शतक भी लगाए थे। लगभग एक सदी बीतने के बाद भी यह रिकार्ड अटूट बना हुआ है। दूसरे स्थान पर इंग्लैंड के महान बल्लेबाज वाली हैमंड का नाम आता है। उन्होंने 1928-29 की एशेज सीरीज में आस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करते हुए 905 रन बनाए थे। पांच मैचों की इस सीरीज में उनका औसत 113.12 रहा। हैमंड उस समय एक सीरीज में 900 रन का आंकड़ा पार करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने थे। उन्होंने इस सीरीज में लगातार दो दोहरे शतक भी जड़े थे, जिससे उनका प्रदर्शन और भी यादगार बन गया।

तीसरे स्थान पर आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर हैं। उन्होंने 1989 की एशेज सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करते हुए छह मैचों में 83.90 की औसत से 839 रन बनाए थे। टेलर ने उस सीरीज में इंग्लैंड के गेंदबाजों की जमकर खबर ली थी और अपने प्रदर्शन से खुद को आधुनिक युग के बेहतरीन ओपनरों में शामिल कर लिया था। चौथे स्थान पर आस्ट्रेलिया के ही दिग्गज बल्लेबाज राबर्ट नील हार्वे का नाम आता है। उन्होंने 1952-53 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 834 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 92.66 का रहा। हार्वे की तकनीक और धैर्य ने उस समय दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों को काफी परेशान किया था।

न्यूज ब्रीफ

एएफसी एशियन कप क्वालीफायर में 31 मार्च को हांगकांग से भिड़ेगा भारत, कोच्चि में होगा मुकाबला

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबाल टीम एएफसी एशियन कप सऊदी अरब-2027 क्वालीफायर के अपने अंतिम मुकाबले में 31 मार्च को हांगकांग चीन पुरुष फुटबाल टीम का सामना करेगी। यह मैच केरल के कोच्चि स्थित जवाहरलाल नेहरू इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होगा। यह मुकाबला इसलिए भी खास माना जा रहा है, क्योंकि लगभग दस साल बाद कोच्चि का यह स्टेडियम भारतीय पुरुष फुटबाल टीम की मेजबानी करेगा। इससे पहले मार्च 2016 में भारत ने इसी मैदान पर तुर्कमेनिस्तान पुरुष फुटबाल टीम के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफायर का मुकाबला खेला था। वह आखिरी मौका था जब भारतीय सीनियर टीम ने केरल में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। हालांकि भारत एएफसी एशियन कप सऊदी अरब 2027 के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुका है, लेकिन टीम अपने अभियान का समापन जीत के साथ करना चाहेगी। यह मुकाबला भले ही क्वालीफिकेशन के लिहाज से औपचारिक रह गया हो, क्योंकि हांगकांग भी बाहर हो चुका है, लेकिन इसमें मिलने वाले फीफा रैंकिंग अंक दोनों टीमों के लिए काफी अहम होंगे। एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर के फाइनल राउंड में यह भारत का तीसरा अलग घरेलू मैदान होगा। इससे पहले मार्च में शिलांग में भारत ने बांग्लादेश पुरुष फुटबाल टीम के खिलाफ मुकाबला खेला था, जबकि अक्टूबर में मडगांव में सिंगापुर पुरुष फुटबाल टीम के खिलाफ मैच आयोजित किया गया था।

द हंड्रेड' में शायद ही खेल पायें अबरार : पीसीबी

लंदन। पाकिस्तानी गेंदबाज अबरार अहमद को इंग्लैंड की लीग द हंड्रेड' में खरीदे जाने के बाद से ही आईपीएल फ्रैंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद की मालिक काव्य मारन लोगों के निशानद पर हैं। सनराइजर्स से ही जुड़ी द हंड्रेड' की एक टीम सनराइजर्स लीड्स ने पाक स्पिनर अबरार को 1,90,000 पाउंड में खरीदा है। काव्य इस फैसले से लोग भड़के हुए हैं। वहीं अब कहा जा रहा है कि अबरार के इस लीग में खेलने की संभावनासं बेहद कम है। ऐसे में उन्हें शामिल करने वाली टीम सनराइजर्स लीड्स को झटका लगना तय है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस लीग के दौरान ही पाक में वेस्टइंडीज को दो टेस्ट मैच खेलने हैं। ऐसे में उनको पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से नो आब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) मिलने की संभावना नहीं है। वहीं पीसीसीबी के अनुसार वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज को देखते हुए अबरार के द हंड्रेड में खेलने की संभावना नहीं है। पाक टीम का कैरेबियाई दौरा 15 जुलाई से 7 अगस्त तक चलेगा, जबकि द हंड्रेड' 21 जुलाई से 16 अगस्त तक खेला जाएगा हालांकि पाक के लिए इस दौरे में टेस्ट मैच खेलने की संभावना काफी कम है।

आईपीएल 2026 से पहले टूर्नामेंट की सबसे बड़ी पारियां, टाप-6 में नहीं हैं रोहित और कोहली

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन की शुरुआत का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है और क्रिकेट प्रशंसक एक बार फिर मैदान पर बड़े सितारों की धमाकेदार बल्लेबाजी देखने के लिए उत्साहित हैं। फैंस को खास तौर पर रोहित शर्मा, विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी जैसे दिग्गज खिलाड़ियों से बड़ी पारियों की उम्मीद रहती है, जो क्रमशः मुंबई इंडियंस, रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु और चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते नजर आते हैं। हालांकि आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी पारियों की सूची पर नजर डालें तो हैरानी होती है कि इसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली का नाम शीर्ष छह में शामिल नहीं है। आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी पारी का रिकार्ड वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम दर्ज है।

भारतीय महिला हाकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने पूरे किए 150 अंतरराष्ट्रीय मैच, हाकी इंडिया ने दी बधाई

हैदराबाद

हाकी इंडिया ने भारतीय महिला हाकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे को अंतरराष्ट्रीय करियर में 150 मैच पूरे करने पर बधाई दी है। सलीमा ने यह उपलब्धि हाकी वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स 2026 के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड महिला हाकी टीम के खिलाफ खेलते हुए हासिल की। यह मैच हैदराबाद के जी.एम.सी. बालयोगी हाकी ग्राउंड में खेला गया।

झारखंड में जन्मी 25 वर्षीय मिडफील्डर सलीमा टेटे अपनी तेज रफ्तार और मैदान पर अथक मेहनत के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने नवंबर 2016 में मेलबर्न में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों की श्रृंखला के दौरान भारतीय टीम के लिए पदार्पण किया था। तब से वह राष्ट्रीय टीम की सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में से एक बन चुकी हैं और अब तक 16 अंतरराष्ट्रीय गोल भी कर चुकी हैं।

सलीमा ने मात्र 19 वर्ष की उम्र में ओलंपियन का दर्जा हासिल किया, जब वह टोक्यो ओलंपिक 2020 में चौथे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। इसके बाद उनके करियर में लगातार उन्नति देखने को मिली। 2022 में मस्कट में आयोजित महिला एशिया कप में उन्हें राइजिंग प्लेयर आफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार मिला, जहां भारत ने तीसरा स्थान हासिल किया था।

उन्होंने 2021 में दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में आयोजित महिला जूनियर विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी भी की, जहां टीम चौथे स्थान पर रही। इसके अलावा 2022 के कामनवेल्थ गेम्स 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबले में उनका अहम गोल भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ।

सलीमा भारतीय टीम का हिस्सा रहीं जिसने 2022 में स्पेन में आयोजित महिला नेशंस कप जीता और 2023 के एशियाई खेलों में कांस्य पदक हासिल किया। उसी वर्ष रांची में आयोजित महिला एशियन चैंपियंस ट्राफी में उन्होंने सात मैचों में पांच गोल किए और प्लेयर आफ द टूर्नामेंट चुनी गई।

साल 2024 में उन्हें भारतीय महिला हाकी टीम की कप्तान बनाया गया। उनकी अगुआई में भारत ने बिहार में आयोजित महिला एशियन चैंपियंस ट्राफी 2024 में स्वर्ण पदक जीता और 2025 के महिला एशिया कप में रजत पदक हासिल किया।

उनके शानदार प्रदर्शन को कई पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है। 2021 में उन्हें हाकी इंडिया असुंता लाकड़ा अवार्ड से नवाजा गया, जबकि 2023 में उन्हें हाकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर प्लेयर आफ द ईयर पुरस्कार मिला। 2024 में खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हाकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में 150 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना सलीमा की प्रतिभा, निरंतरता और समर्पण को दर्शाता है। वहीं महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि सलीमा हाल के वर्षों में भारतीय महिला हाकी की सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में से एक रही हैं और भविष्य में उनसे और कई बड़ी उपलब्धियों की उम्मीद है।

टी20 विश्वकप ट्रॉफी के साथ सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे सूर्यकुमार, गंभीर

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टी20 विश्वकप ट्राफी के साथ ही सिद्धिविनायक मंदिर में भगवान गणेश के दर्शन कर आर्शीवाद लिया। इस दौरान आईसीसी चेयरमैन जय शाह भी उनके साथ थे। वहीं इससे पहले, टी20 वि‍व कप 2026 का खिताब जीतने के बाद सूर्यकुमार, गंभीर और शाह स्टेडियम के पास के हनुमान मंदिर में आशीर्वाद के लिए पहुंचे थे। भारतीय टीम ने अपनी धरती पर तीसरी बार विश्वकप जीतकर एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। भारतीय टीम ये उपलब्धि हासिल करने वाली पहली टीम है। 8 मार्च को अहमदाबाद में खेले गए टी20 विश्वकप 2026 के फाइनल में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड का आसानी से हराया दिया था। तब भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 255 रन बनाए थे। इस मैच में टीम इंडिया की ओर से संजू सैमसन ने 89 रन बनाए। उनके अलावा, ईशान किशन ने 54 रन और अभिषेक शर्मा ने 52 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 19 ओवरों में केवल 159 रन बनाये। कीवी टीम की ओर से टिम सीफर्ट ने 26 गेंदों में 52 रन बनाये।

न्यूजीलैंड महिला टीम ने पहले टी-20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को 80 रन से हराया

माउंट माउंगानुई (न्यूजीलैंड)

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने रविवार को मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम को 80 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड महिला टीम ने टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान पर खेले गए मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम ने 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 190 रन का स्कोर खड़ा किया। टीम की कप्तान अमेलिया केर ने 44 गेंदों में 78 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और दो छक्के शामिल थे। सलामी बल्लेबाज जार्जिया प्लिमर ने 44 गेंदों में पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 63 रन बनाए। सोफी डिवाइन 12, ब्रुक हालिडे 13 और मैडी ग्रीन ने 10 रन का योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका महिला टीम के लिए मसाबाटा कलास और नादिन डी क्लर्क ने दो-दो विकेट लिए। अयाबोंगा खाका और नानकुलुलेको म्लाबा ने एक-एक विकेट लिया। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 110 रन ही बना सकी। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज तजमिन ब्रिट्स ने 35 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 29 रनों की जुझारू पारी खेली। कायला रेनेके 18 गेंदों में चार चौकों के साथ 24 रन बनाकर नाबाद रहीं। बाकी बल्लेबाज बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रहे, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें 80 रनों से हार का सामना करना पड़ा। न्यूजीलैंड महिला टीम की ओर से अनुभवी सोफी डिवाइन ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन किया और चार विकेट लिए। वहीं जेस केर ने दो विकेट लिए। कप्तान अमेलिया केर को उनके शानदार अर्धशतक के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया। दोनों देशों के बीच दूसरा टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच 17 मार्च को हैमिल्टन में खेला जाएगा।

इटली में पैरा अल्पान स्कीइंग

इटली में पैरा अल्पान स्कीइंग महिला स्लेलोम मुकाबले में खेलती हुई रुस की वरवावा वोरसिखीना ।

आर्सेनल के मैक्स डावमैन प्रीमियर लीग में गोल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने

लंदन (यूके)

आर्सेनल के युवा विंगर मैक्स डावमैन ने प्रीमियर लीग में इतिहास रचते हुए सबसे कम उम्र में गोल करने वाले खिलाड़ी का रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। शनिवार को एवर्टन के खिलाफ खेले गए मुकाबले में आर्सेनल की 2-0 की जीत के दौरान डावमैन ने स्टापेज टाइम में गोल कर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

16 साल और 73 दिन की उम्र में गोल करने वाले डावमैन ने एवर्टन के पूर्व स्ट्राइकर जेम्स वान का 19 साल पुराना रिकार्ड तोड़ दिया। वान ने 2005 में क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ खेलते हुए 16 साल और 270 दिन की उम्र में गोल किया था। अब डावमैन प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे कम उम्र में गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

मुकाबले के अंतिम क्षणों में आया यह गोल आर्सेनल की जीत को पक्का करने वाला साबित हुआ। इस जीत के साथ टीम ने लीग तालिका में शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। युवा खिलाड़ी के इस प्रदर्शन से क्लब के खिलाड़ी, स्टाफ और दर्शक सभी बेहद उत्साहित नजर आए।

मैच के बाद आर्सेनल के मैनेजर मिकेल आर्टेटा ने डावमैन की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह क्लब और खिलाड़ी दोनों के लिए बेहद खास पल है।

आर्टेटा ने कहा, यह एक शानदार क्षण था। सभी खिलाड़ी और दर्शक खुशी से झूम रहे थे। यह एक खूबसूरत दिन है। इतनी कम उम्र में, इतने दबाव और उम्मीदों के बीच इस तरह का प्रदर्शन करना आसान नहीं होता।

जब आर्टेटा से पूछा गया कि मैदान पर भेजने से पहले उन्होंने डावमैन से क्या कहा था, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मैंने उससे कहा था कि जाओ, अपना खेल खेलो और हमें मैच जिताओ।

डावममैन का यह गोल न केवल उनके करियर की शानदार शुरुआत माना जा रहा है, बल्कि आर्सेनल के लिए भी भविष्य की बड़ी उम्मीद के रूप में देखा जा रहा है। फुटबाल विशेषज्ञों का मानना है कि इतनी कम उम्र में इस तरह का आत्मविश्वास और प्रदर्शन उन्हें आने वाले समय में प्रीमियर लीग का बड़ा सितारा बना सकता है।

आईपीएल इतिहास की सबसे खतरनाक गेंदबाजी, जब अल्जारी जोसेफ ने 16 गेंदों में ढहा दी थी पूरी टीम

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन की शुरुआत 28 मार्च से होने जा रही है। नए सीजन का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। हर साल की तरह इस बार भी टूर्नामेंट को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। आईपीएल का इतिहास ऐसे कई यादगार पलों से भरा है, जिन्होंने इस लीग को दुनिया की सबसे रोमांचक टी20 प्रतियोगिता बना दिया। इन्हीं में से एक यादगार प्रदर्शन 2019 में देखने को मिला था, जब एक गेंदबाज ने अपने घातक स्पेल से क्रिकेट जगत को चौंका दिया था। यह कारनामा वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ ने किया था, जो उस समय मुंम्बई इंडियंस की ओर से खेल रहे थे। उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ ऐसा गेंदबाजी प्रदर्शन किया, जो आज भी आईपीएल इतिहास का सबसे बेहतरीन स्पेल माना जाता है। जोसेफ ने सिर्फ 3.4 ओवर यानी 16 गेंदों

में 12 रन देकर 6 विकेट झटके थे। उनकी इस घातक गेंदबाजी के सामने हैदराबाद के बल्लेबाज टिक ही नहीं पाए और पूरी टीम बिखर गई। यह आंकड़ा आज भी आईपीएल इतिहास की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के रूप में दर्ज है। उस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट खोकर 136 रन बनाए थे। टी20 क्रिकेट के लिहाज से यह स्कोर ज्यादा बड़ा नहीं माना जाता। आज के दौर में कई टीमें इतने रन शुरुआती कुछ ओवरों में ही बना लेती हैं। ऐसे में उस समय यह माना जा रहा था कि सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 137 रन का लक्ष्य हासिल करना ज्यादा मुश्किल नहीं होगा। लेकिन मैच का असली मोड़ तब आया जब अल्जारी जोसेफ ने गेंद संभाली। उनकी तेज और सटीक गेंदबाजी के सामने हैदराबाद के बल्लेबाज पूरी तरह बेबस नजर आए। विकेटों की झड़ी लग गई और टीम संभल ही नहीं पाई। लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद की पूरी टीम 17.4 ओवर में सिर्फ 96 रन पर सिमट गई। इस तरह मुंबई इंडियंस ने मुकाबला 40 रन से अपने नाम कर लिया। टी20 क्रिकेट में इतना बड़ा अंतर खासकर लो स्कोरिंग मैच में काफी दुर्लभ माना जाता है। इस जीत की सबसे बड़ी वजह अल्जारी जोसेफ की जादुई गेंदबाजी रही, जिसने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

धोनी के बिना सीएसके की कल्पना मुश्किल, यह उनका आखिरी आईपीएल सीजन हो सकता हैः इरफान पठान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व आलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि एमएस धोनी के बिना चेन्नई सुपर किंग (सीएसके) और इंडिन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की कल्पना करना बेहद मुश्किल है। हालांकि उन्होंने संकेत दिया कि आईपीएल 2026 संभवत: धोनी का आखिरी सीजन हो सकता है। पठान ने एक बातचीत में कहा कि धोनी अब टीम के भविष्य को तैयार करने की भूमिका निभा सकते हैं और युवा खिलाड़ियों को नेतृत्व के लिए तैयार करेंगे। पठान के अनुसार, धोनी की मौजूदगी मैदान के अंदर ही नहीं बल्कि ड्रेसिंग रूम में भी टीम के लिए बेहद अहम होती है। उन्होंने कहा कि भले ही यह साफ नहीं है कि धोनी इस सीजन में कितने मुकाबले खेलेंगे, लेकिन उनकी उपस्थिति टीम के युवा खिलाड़ियों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। पठान का मानना है कि धोनी फ्रेंचाइजी के भविष्य के नेताओं को तैयार करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि टीम में सजू सैमसन और रुतुराज ग्वायकाड़ जैसे खिलाड़ियों को नेतृत्व समूह का हिस्सा बनाया जा सकता है। रुतुराज पहले से ही टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ी और संभावित लीडर माने जाते हैं। पठान के मुताबिक फ्रेंचाइजी भविष्य को ध्यान में रखते हुए दो या तीन खिलाड़ियों को नेतृत्व की जिम्मेदारी के लिए तैयार कर रही है, ताकि आने वाले वर्षों में टीम मजबूत बनी रहे। पठान ने यह भी कहा कि इस सीजन में धोनी की फिटनेस, बल्लेबाजी क्रम और खेलने वाले मैचों की संख्या को लेकर कई सवाल उठेंगे। उनके अनुसार इन सवालों का जवाब केवल टीम मैनेजमेंट ही दे सकता है।

फैमिली के साथ बैठकर खाने से होते हैं ...

ये 5 बड़े फायदे

पुराने जमाने में परिवार का साथ बैठकर खाना ट्रेडिशन था। न्यूक्लियर फैमिलीज़ बढ़ीं तो ये ट्रेडिशन खत्म होते गया। पेरेंट्स के काम करने का वक्तए बच्चों की पढ़ाई सारी चीजें गड़बड़ होते गई। लेकिन साथ.साथ ब्रेकफास्टए डिनर या लंच करने के बड़े फायदे होते हैं।

मुश्किल अकेलीए हल सामूहिक

टर्की में परिवार के साथ बैठकर खाना ट्रेडिशन है। एक्सपर्ट्स कहते हैं साथ खाने से परिवार वालों के बीच बातचीत होती है। अकेली आई मुश्किलों के बारे में डिनर टेबल पर बात होती है और घर के सभी लोग मिलकर उसका कोई न कोई अच्छा सॉल्यूशन निकाल लेते हैं। इसमें परिवार आपके साथ होता है।

आजकल बच्चे बहुत ज्यादा इंट्रोवर्ट और खोए रहने वाले हो रहे हैं। न जाने कब उनके जेहन में क्या नेगेटिव विचार चल रहे होते हैं। ऐसे में फैमिली कम्यूनिकेशन जैसे ही खत्म होता हैए तो वो गलत फैसलों की ओर बढ़ते हैं। साथ खाने से मुश्किल हालातों में भी कम्युनिकेशन बनता है। आज के इस दौर की बड़ी समस्या को सिर्फ ष्ईटिंग टूगेदरष् से दूर कर सकते हैं।

हेल्दी ईटिंग की आदत पड़ेगी

पेरेंट्स बच्चों के साथ में खाना खाएंगे तो ख्याल रखेंगे कि वे हेल्दी फूड ले रहे हैं कि नहीं। अकेले खाते हुए कुछ भी असंतुलित और गैर.जरूरी खाने की प्रवृत्ति होती है। साथ में खाएंगे तो ऐसा फूड होगा जो सबकी पसंद का हो और न्यूट्रिशन से भरा हो। इससे आप बच्चों के बाहर खाना खाने की आदत भी कम कर पाएंगी।

टेबल मैनर्स को जानेंगे बच्चे

कभी सोचा है क्यों हमें खाने, खाना बनाने, चलने, दौड़ने, लाइफ के सबक सीखने के लिए किसी स्कूल क्यों नहीं जाना पड़ता। क्योंकि ये सब हम घर पर ही सीखते हैं। बड़े होकर बच्चे ऊंचे मुकाम पाएंगे लेकिन मैनर्स डिनर टेबल पर ही सीखेंगे। बच्चों को इसके लिए किसी पर्सनैलिटी डिवेलपमेंट क्लास में भेजने की जरूरत नहीं होगी। साथ खाते हुए उनमें अच्छी आदतें डाल सकेंगी। 5 फैमिली वैल्यूज़ के लिए जरूरी

फैमिली वैल्यूज़ के लिए जरूरी

किशोर बच्चों में साथ खाने की आदत डालना इस दौर में तो बहुत जरूरी है। उनकी जिंदगी में गैजेट्स और कई व्यक्तित्व वाले दोस्तों की जगह है। फैमिली वैल्यू मजबूत बनाने के लिए साथ खाना खाने पर जोर दें। उन्हें उनके रूम में खाना खाने की आदत न पड़ने दें। पेरेंट्स.बच्चों का रिश्ता गहरा होता जाता है। एक.दूसरे की लाइफ और एक्सपीरिएंस से सीखते हैं।

घर को डेकोर करने के लिए टेरेस गार्डन बेस्ट ऑप्शन

टेरेस गार्डन को घर, बहुमंजिला इमारत और कम्यूनिटी टेरेस पर भी आसानी से विकसित किया जा सकता है। यदि आपके घर में आंगन या बालकनी है तो यह भी टेरेस गार्डन के लिए बेहतर विकल्प हो सकता है।

- आंगन घर के बाहर ?सी खुली जगह है जिसका प्रयोग आप रिलेक्स होने के लिए, कुछ देर सुकून से बैठने के लिए या गार्डनिंग आदि कार्यों के लिए करते हैं।
- गार्डन में हल्का, आरामदायक व मौसम से प्रभावित न होने वाला फर्नीचर लगाएं।
- गार्डन की खूबसूरती बढ़ाने के लिए आप कॉर्नर में एक छोटा फव्वारा भी लगा सकते हैं।
- थ्रम्पेट वाइन, हनीसकल और कुकुम्बर कुछ इस तरह के पौधे हैं जिन्हें लगाकर आप अपने गार्डन की खूबसूरती और प्राइवेसी दोनों को ही बरकरार रख सकते हैं।
- गार्डन में बैठक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए एक टेबल के दोनों ओर कम से कम 3 फीट का स्थान जरूर छोड़े।

इन घरेलू उपायों से दूर करें किचन की बदबू

घर की किचन या यूं कहे घर का खाना बेहद ही स्वादिष्ट होता है,जो आपकी हर जगह तारीफ़ दिलाता है। लेकिन खाना में प्रयोग किये गए मसाले जब किचन में घर कर जाते है तो काफी शर्मिंदगी भी होती है। खैर ये शर्मिंदगी अब नहीं होगी, लेकिन इसके लिए आपको रखना होगा कुछ बातों का ध्यान। तो आइये जानते है कुछ आसान से उपाय जो आपकी किचन को कर देगें दुर्गन्ध मुक्त

बेकिंग सोडा- बेकिंग सोडा को बदबू भगाने में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आपको खाना बनाने वाली जगह पर बेकिंग सोडा छिड़क देना चाहिए, ताकि बदबू न भरें। इससे जलने की दुगं ध भी नहीं आती है। नींबू पानी- फ्रिज में बदबू आने लगी हो या किचेन में, नींबू पानी से भरा कटोरा रख दें, बदबू तुरंत दूर भाग जाएगी।

सुगर सोप- सी फूड बनाने के बाद बदबू हाथों और किचेन, दोनों से आने लगती है। ऐसे में सुगर सोप से हाथों को धुल लें और किचेन में भी उसे रख दें। इससे बदबू दूर हो जाएगी।

संतरे के छिलके का पानी - एक कटोरे में एक कप पानी लें और इसे धीमी आंच पर गर्म करें। इस पानी में संतरे के छिलके मिला दें। इसे दो मिनट के लिए उबलने दें और इसमें दालचीनी मिला दें। आप चाहें तो इलायची भी मिला सकती हैं। इस पानी से किचेन की बदबू दूर भाग जाएगी।

धुआं भगाये सिरका- सिरका के इस्तेमाल से किचेन की बदबू दूर भाग जाती है।

...जब घर की रौनक बढ़ानी हो...

घर को सजाने के लिए महंगी चीजों की ही जरूरत होती है ये ख्याल बिल्कुल गलत है। घर में बेकार पड़ी चीजों से भी काफी इनोवेटिव आइडियाज निकाले जा सकते हैं जो घर की सजावट में तो चार चांद लगाएंगे ही साथ ही लोग आपसे भी काफी प्रभावित होंगे। आज ऐसे ही कुछ अलग चीजों से घर की सजावट के बारे में जानेंगे...

रसोई के लिए विशेष स्पून लैम्प

कमरे का लुक बदलने के लिए लाइट्स के साथ सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाता है। इसीलिए मार्केट में तरह.तरह की स्टाइल और डिज़ाइन वाले लैम्प अवेलेबल हैं। रसोई में भी लैंप लगाना चाहते हैं तो इसे खुद बनाएं। इसके लिए करना कुछ ज्यादा नहीं है। रसोई में रखे पुराने मेटल की करछी लें। अगर उसमें छेद है तो अच्छा है। इस करछी या चम्मचों को एक सिमिट्री में लगाएं और फिर इसके अंदर बल्ब लगाएं। इससे निश्चित ही पूरे कमरे को अलग लुक मिलेगा।

बेड में नीचे की तरफ लाइटिंग सिस्टम

निश्चित ही आपको यह तरीका अपनी तरफ आकर्षित करेगा। इसमें बेड में नीचे की तरफ वुडन फ्रेम बनाएं और उस फ्रेम में नीचे की तरफ पूरी लाइटिंग करें। रात को इस लाइट को जला सकते हैं। यह नाइटलैम्प की तरह काम करेगी और कमरे में आनेवालों को चौंका देगी। दिन के वक्त भी लाइट को जलाने से कमरे का लुक बदला जा सकता है। यह आइडिया मास्टर बेडरूम में ज्यादा अच्छा दिखेगा। इस तरीके के सभी बेडरूम में न करें।

पेगबोर्ड का ऐसे भी कर सकते हैं उपयोग

घर में खाली दीवार है और आप उस दीवार का ज्यादा से ज्यादा फायदा लेना चाहते हैं तो उस पर पेगबोर्ड लगाएं। अगर यह दीवार रसोई में है तो उस पर बर्तन आदि रख सकते हैं। अगर बच्चों के कमरे में इस्तेमाल करना चाहते हैं तो उस पर बांस की बनी बास्केट हैंग कर सकते हैं। पेगबोर्ड में कुछ हुक्स लगाए जा सकते हैंए जिस पर बैग्स या स्टेशनरी का बाकी सामान आसानी से रखा जा सकता है। बेशक स्मार्टफोन के आने से घड़ियों का ट्रेंड फीका पड़ गया थाए लेकिन अब फिर घड़ियां पसंद बनी हुई हैं। अब वॉल क्लॉक के साथ प्रयोग करें। घर में कोई लकड़ी का पुराना पीस रखा है तो उस पर घड़ी बनवाएं। लकड़ी का पीस जितना रॉ होगाए घड़ी का लुक उतना ही खूबसूरत नज़र आएगा। घड़ी के साथ थोड़ा.सा प्रयोग करने से पूरे कमरे को अलग लुक मिलेगा।

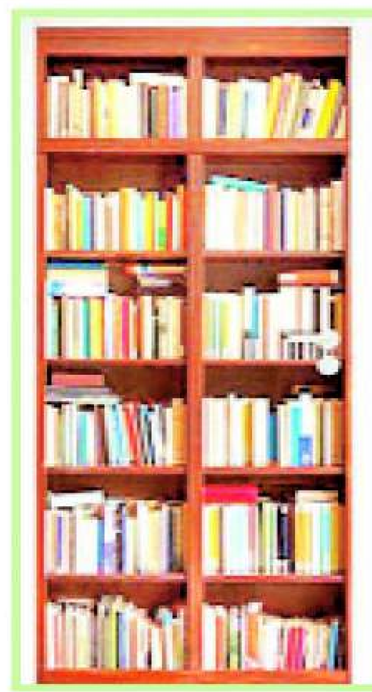

दरवाजे में अंदर की तरफ बुक शेल्फ

यह आइडिया बच्चों के कमरे में ज्यादा असरदार साबित हो गाए क्योंकि बच्चों का कमरा छोटा होता है। कमरे में ज्यादा किताबों को रखने के लिए जगह नहीं होती हैं। ऐसे में कमरे में लगे दरवाजे के इर्द-गिर्दबुक शेल्फ बना सकते हैं, क्योंकि यह जगह अक्सर खाली रह जाती है। ऐसा करने से कमरे को बिल्कुल अलग लुक मिलेगा।

पसंदीदा सुपर हीरो से दीवार सजाएं

बच्चों को स्पाइडरमैन आदि सुपर कैरेक्टर्स का शौक होता है। अब उनकी इस पसंद को कमरे की सजावट के काम लाएं। जैसे कि वुडन ब्लॉक्स पर स्पाइडरमैनए बैटमैनए स्टारवॉर्स आदि के लोगो या उनसे जुड़ी किसी चीज़ को बनाएं और फिर उन ब्लॉक्स को एक सिमिट्री में दीवार पर सजाएं।

आखिर क्यों अच्छे रिश्तों में आ जाती है दरार?

आजकल सच्चे रिश्तों का दुनिया में कोई मोल नहीं रह गया है , जिधर देखो आपको ब्रेअकप और डिवोर्स की खबरे सुनने या पढ़ने को मिल जाएगी। अब क्या फ़िल्मी सितारे, और क्या आम इंसान, प्यार में धोखा मिलना कोई बड़ी बात नहीं है।

शायद इसी को जिंदगी को कहते है, क्योँकि जिंदगी में सभी रिश्ते मुकाम पर नहीं पहुंचते हैं। जब भी हम किसी नए रिस्ट में कदम रखते है, तो कोशिश रहती है कि उसे सिद्धत से निभाए। हम रिश्ते में उम्मीद करते हैं, कि सब सही चलता रहे, पर ?सा मुमकिन नहीं होता, अचानक से कुछ चीजें ?सी हो जाती हैं जिससे रिश्तों में दरार आ जाती है। इसके बाद वही दो लोग अलग होने की बात करने लग जाते हैं जिन्होंने एक-दूसरे के साथ जीने-मरने की कसम खाई होती है। आखिर एकदम से क्यों खराब हो जाते हैं अच्छे अच्छे रिश्ते, क्या गलत हो जाता है,आइये जानते हैं भरोसे में कमी आना जब आप आप दोनों एक दूसरे पर 100त्न भरोसा करना नहीं सीखेंगे तब तक आपका रिश्ता मजबूत नहीं होगा। अगर आपको शक है कि आपका बॉयफ्रेंड/गर्लफ्रेंड से ज्यादा बात करता है, तो उसकी जासूसी न कर उसे इस बारे में खुल कर बात करें।

बातों में कमी आना आपका रिश्ता बिना अच्छी बातों के कभी भी आगे नहीं बढ़ सकता। अगर आपके पार्टनर को आपकी पसंद-नापसंद, नहीं मालूम होगी तो यह आपके लिये अच्छा नहीं होगा। एक दूसरे से अधूरी और बिना प्यार के बात करने से मन मुटाव ज्यादा बढ़ता है हमेशा पार्टनर को जज करना अगर एक पार्टनर दूसरे को हर वक्त जज करता फिर रहा है और उसका मज़ाक उड़ा रहा है, तो कहीं ना कहीं रिश्ते में निगेटिव फीलिंग आ जाती है। इससे एक दूसरे से दूरी भी हो जाती है। पहले को लगता है कि दूसरे से ये बात ना बताई जाए क्योंकि दूसरा उसको जज करने लगेगा और गलतफहमी हो जाएगी। उम्मीदें पालना एक बात हमेशा ध्यान में रखें कि आपकी जिंदगी को कोई रोमांटिक मूवी नहीं है जिसमें आपका प्रेमी आपके सारे सपने पूरे करने के लिये तैयार रहेगा। अगर आप अपने प्रेमी या पति पर बेकार का प्रेशर बनाएंगी तो वह आपको कभी भी छोड़ सकता है। किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार करना चाहे वह इमोशनल हो या फिर फिजिकल, दुर्व्यवहार हर तरह से बुरा होता है। कई बड़े बड़े रिश्ते केवल एक दूसरे से दुर्व्×स8205;यवहार करने से ही बिगड़ जाते हैं। अगर आप अपनी पार्टनर को गाली देते हैं तो अभी मौका है कि सुधर जाएं।

चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं के मौसम गर्मी में आपकी कार्यक्षमता पर तो बुरा असर पड़ता ही है, अपने ऊपर अधिक ध्यान देने की भी जरूरत होती है। गर्मी के इस मौसम में अगर अपने ऊपर पर्याप्त ध्यान न दिया जाए तो तरह-तरह की मुश्किलें सामने आ सकती हैं। शरीर से अत्यधिक मात्रा में पसीना निकलने से जहां डीहाइड्रेशन की समस्या परेशान करती है, वहीं गंदगी भी कई बीमारियों की वजह बनती है। ऐसे में खाने-पीने का खास खयाल रखा जाए तो शरीर के कमजोर होने और बीमारी पास आने की आशंका काफी कम हो जाती है।

गर्मी में कैसा हो आपका खानपान

पानी अधिक लें, चाय छोड़ें

इस मौसम में शरीर में पानी का स्तर ठीक रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए यह भी जानना जरूरी है कि कौन-सा पेय पदार्थ लें और कौन-सा नहीं। ऐसे पेय पदार्थ लेने से बचें, जो पेट में गैस पैदा करते हैं। खासकर चाय का सेवन बहुत कम कर दें। अगर संभव हो तो चाय छोड़ ही दें या दो कप से ज्यादा न लें।

धनिया, पुदीना और प्याज भी जरूरी

इस मौसम में हरी चटनियों का सेवन कर सकते हैं। धनिया, पुदीना, आंवला, प्याज आदि की चटनी बना कर खाने के साथ खाएं। यह आपके खाने का स्वाद भी बढ़ाती है और मौसम के अनुरूप भी है।

खाली पेट न निकलें

मौसम में आप लू की चपेट में आ सकते हैं। इससे बचने के लिए सुबह बिना कुछ खाए घर से न निकलें।

बच्चों का रखें खास खयाल

बच्चों को इस मौसम में ऐसी चीजें न दें, जो जल्दी खराब हो जाती हैं। नूडल्स आदि पर रोक लगाएं। नींबू पानी नियमित रूप से दें। बच्चा खाना वापस ला रहा है तो उसे चावल और जौ की चीजें दे सकते हैं।

बीपी की समस्या है तो

बीपी का खतरा इस मौसम में बढ़ जाता है। इसके अलावा मधुमेह के रोगियों में डिहाइड्रेशन होने की आशंका भी रहती है। ऐसे लोग खाने का समय निश्चित रखें और पानी व तरल पदार्थ समय-समय पर लेते रहें। इस मौसम में खाना बिल्कुल न छोड़ें। मूंग की खिचड़ी ले सकते हैं। यह पेट के लिए काफी फायदेमंद रहती है।

मौसमी फलों को दें तरजीह

फलों में मौसम्बी, तरबूज, खरबूजा आदि इस मौसम में काफी फायदेमंद होते हैं। पित्त की समस्या है तो खीरे और लौकी के रस को बराबर मात्रा में मिला कर उसमें सेंधा नमक या लवण भास्कर आयुर्वेदिक चूर्ण डाल कर कर पी जाएं। यह गैस को नियंत्रित रखता है और पाचन क्षमता को भी बेहतर बनाता है। सलाद और चाट में भी सादे नमक की बजाय इन्हीं का इस्तेमाल करें। यह आम का भी मौसम है, लेकिन आम को खाने में थोड़ी सावधानी बरतें। खाने से पहले आम को दो घंटे के लिए पानी में रखें, फिर उसका इस्तेमाल करें।

अमृत है नारियल पानी

नारियल पानी इस मौसम में काफी मिलता है और यह इस मौसम में सेहत के लिए काफी फायदेमंद भी होता है। इस मौसम में जौ भी काफी फायदेमंद साबित होती है। इसे दही में डाल कर सत्तू के रूप में भी खा सकते हैं या इसे उबाल कर टमाटर, खीरा, मिर्च, हरी चटनी, नमक आदि मिला कर भी खाया जा सकता है। रोटी में भी जौ के आटे का इस्तेमाल करें। गेहूं और जौ का आटा बराबर मात्रा में मिलाकर रोटी बनाएं। इस मौसम में यह शरीर को ठंडा भी रखेगी और पेट भी ठीक रहेगा। चने को भी डाइट में प्रमुखता से शामिल करें। काला और हरा चना दोनों ही इस मौसम में ज्यादा खाना चाहिए, क्योंकि इसकी तासीर ठंडी होती है। इससे पेट नहीं फूलता और भूख भी शांत हो जाती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**